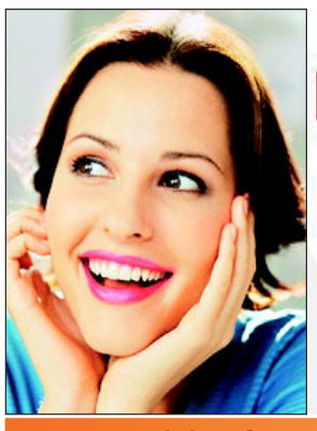

सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

चीनी का विकल्प शुक्रालोज शुक्रालोज पेज: 7

गौतम तिन्नुरी की फिल्म में नजर आएंगी रश्मिका मंदाना? पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 72 | शनिवार 13 जून 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

शत्रुघ्न सिन्हा का बड़ा बयान: मेरी नेता सिर्फ. ममता बनर्जी हैं, अभिषेक नहीं

नई दिल्ली एजेंसी: आसनसोल से TMC के लोकसभा सांसद शत्रुघ्न सिन्हा ने ममता बनर्जी और TMC का समर्थन को लेकर अपना रुख साफ कर दिया। उन्होंने ममता बनर्जी का पुरजोर समर्थन किया और पार्टी छोड़ने वालों की आलोचना भी की। शत्रुघ्न सिन्हा ने कहा कि मैं ममता दीदी के साथ था, ममता दीदी के साथ हूँ और हमेशा ममता दीदी के साथ ही रहूँगा। न तो अभिषेक बनर्जी और न ही कोई और मेरा नेता है। मेरी नेता सिर्फ. ममता बनर्जी हैं। यह एकता दिखाने और ममता बनर्जी के साथ खड़े होने का समय था, उन्हें छोड़ने का नहीं। ममता बनर्जी एक परिपक्व और अनुभवी नेता हैं। शत्रुघ्न सिन्हा ने घोषणा की कि ममता बनर्जी के प्रति उनका समर्थन अटूट है। उन्होंने कहा कि ममता जी के साथ था, मैं और आगे भी रहूंगा। ममता बनर्जी ने मेरे मुश्किल समय में मेरा साथ दिया था

अमरनाथ यात्रा 2026 की सुरक्षा तैयारियों की अमित शाह ने की समीक्षा, अभेद्य सुरक्षा ग्रिड बनाने के निर्देश

नई दिल्ली एजेंसी: दिल्ली में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को अमरनाथ यात्रा 2026 की तैयारियों को लेकर आयोजित सुरक्षा समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में जम्मू-कश्मीर के उप-राज्यपाल मनोज सिन्हा, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल, केंद्रीय गृह सचिव, थलसेना प्रमुख, आसूचना ब्यूरो (आईबी) के निदेशक, जम्मू-कश्मीर के मुख्य सचिव एवं पुलिस महानिदेशक, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) के महानिदेशक तथा गृह मंत्रालय, भारतीय सेना और जम्मू-कश्मीर प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। इस वर्ष श्री अमरनाथ जी यात्रा 3 जुलाई से 28 अगस्त 2026 तक आयोजित होगी। श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुगम यात्रा

पर जोर अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार अमरनाथ यात्रा के श्रद्धालुओं की सर्वोच्च सुरक्षा और सुगम यात्रा सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने सभी सुरक्षा एजेंसियों को आपसी समन्वय के साथ यात्रा के लिए एकीकृत और अभेद्य सुरक्षा कवच तैयार करने के निर्देश दिए। मल्टी-लेयर्ड सुरक्षा ग्रिड स्थापित करने के निर्देश गृह मंत्री ने कहा कि यात्रा मार्ग पर जम्मू-कश्मीर पुलिस, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों और अन्य सुरक्षा एजेंसियों के सहयोग से मल्टी-लेयर्ड सुरक्षा ग्रिड

उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए.........

गृह मंत्री ने कहा कि यात्रा मार्ग पर जम्मू-कश्मीर पुलिस, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों और अन्य सुरक्षा एजेंसियों के सहयोग से मल्टी-लेयर्ड सुरक्षा ग्रिड स्थापित किया जाए। उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए

स्थापित किया जाए। उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए ड्रोन, सीसीटीवी निगरानी, सर्विलांस सिस्टम और अन्य आधुनिक तकनीकों के व्यापक उपयोग पर भी जोर दिया। शिविर स्थलों पर वरिष्ठ अधिकारी करेंगे निगरानी अमित शाह ने निर्देश दिया कि यात्रा के दौरान विभिन्न सीएपीएफ और जम्मू-कश्मीर पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी शिविर स्थलों पर मौजूद रहकर व्यवस्थाओं की निरंतर निगरानी करें। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं के पंजीकरण, आवास, स्वास्थ्य सेवाओं और आपदा प्रबंधन सहित सभी आवश्यक सुविधाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जानी चाहिए। मौसम के अनुसार आगे बढ़ेंगे श्रद्धालुओं के जत्थे बैठक में गृह मंत्री ने कहा कि मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए ही श्रद्धालुओं के जत्थों को आगे बढ़ाने की व्यवस्था की जाए। उन्होंने यात्रा मार्ग के अलावा अन्य प्रमुख पर्यटन स्थलों पर भी मजबूत सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि श्रद्धालु सुरक्षित रूप से पर्यटन गतिविधियों का आनंद ले सकें। स्थानीय लोगों और पशुओं को मिलेंगे क्यूआर कोड युक्त पहचान पत्र बैठक में जानकारी दी गई कि यात्रा से जुड़े स्थानीय लोगों और पशुओं का पंजीकरण किया जाएगा तथा उन्हें क्यूआर कोड युक्त पहचान पत्र जारी किए जाएंगे। इसके अतिरिक्त पशुओं के स्वास्थ्य परीक्षण के लिए विशेष शिविर भी लगाए जाएंगे। यात्रा पंजीकरण और श्रद्धालुओं की सहायता संबंधी जानकारी https://jksasb.nic.in/ पर उपलब्ध है।

कोलकाता में सुवेंदु अधिकारी ने गिनाई बीजेपी सरकार की उपलब्धियां, पश्चिम बंगाल को मिला बड़ा लाभ

बंगाल एजेंसी: पश्चिम बंगाल के नेता सुवेंदु अधिकारी ने शुक्रवार को 'डबल-इंजन' गवर्नेंस मॉडल के जरिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार से राज्य के लोगों को मिले फायदों पर जोर दिया। कोलकाता में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, अधिकारी ने पीएम मोदी के नेतृत्व में लागू की गई विभिन्न विकास परियोजनाओं, कल्याणकारी योजनाओं और राष्ट्रीय सुरक्षा पहलों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि हम मोदी जी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में, उनके आशीर्वाद से काम करेंगे; इतने कम समय में भी हमने कुछ काम पूरे कर लिए हैं। जनता को ह्यडबल-इंजनह्न सरकार के फायदे दिखने लगे हैं और आने वाले दिनों में ये फायदे और भी साफ तौर पर दिखाई देंगे। राष्ट्रीय सुरक्षा

के बारे में अधिकारी ने कहा कि हमने इरऋको जमीन सौंप दी है। यह प्रक्रिया रोज चल रही है; अब तक हमने लगभग 100 किलोमीटर तक की जमीन सौंप दी है। उत्तर बंगाल में, खासकर 'चिकन्स नेक' कॉरिडोर से सटे इलाकों में, बीएसएफ ने बाड़ लगाने का काम शुरू कर दिया है। जैसा कि आपने देखा है, हम इसे तय समय में पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं; आखिरकार, यह राष्ट्रीय सुरक्षा का मामला है। उन्होंने राज्य में पहले से रुके हुए कामों, जैसे कि जनगणना की प्रक्रिया, को लागू करने का भी ज़िक्र किया। अधिकारी ने कहा कि जल जीवन मिशन के लिए 39,000 करोड़ रुपये का समझौता हुआ है और आयुष्मान भारत के लिए समझौता दिल्ली में फाइनल किया गया; आयुष्मान भारत कार्ड पाने के लिए 1.43 करोड़ परिवारों की पहचान की गई है। हमने 'प्रधानमंत्री सूर्य घर' योजना भी अपनाई है, जिससे कम आय वाले परिवारों का हर महीने का बिजली का खर्च खत्म हो जाएगा। इस कार्यक्रम के व्यापक महत्व पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि यह प्रेस कॉन्फ्रेंस पूरे देश में, राष्ट्रीय स्तर पर और हर राज्य में हो रही है। इस प्रेस कॉन्फ्रेंस का मुख्य मकसद और एजेंडा दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता और हमारे देश के प्रधानमंत्री मोदी की उपलब्धियों को उजागर करना है, जिन्होंने पिछले बारह वर्षों में किए गए बड़े कामों के जरिए सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री रहने का नया रिकॉर्ड बनाया है। मुख्यमंत्री ने पश्चिम बंगाल में दी जा रही कल्याणकारी सुविधाओं के आंकड़े भी बताए। उन्होंने कहा कि इसके अलावा, 54 लाख किसानों को PM किसान सम्मान निधि का पैसा सीधे उनके खातों में मिल रहा है

राहुल गांधी बोले: कमजोर पीएम मोदी नहीं कर सकते भारत माता के बेटों की रक्षा, अमेरिका हमले पर सवाल

नई दिल्ली एजेंसी: लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आलोचना की। उन्होंने ओमान के तट पर एक कमर्शियल जहाज पर तीन भारतीय नाविकों की मौत पर मोदी की चुप्पी पर सवाल उठाए। गांधी ने कहा कि कमजोर प्रधानमंत्री भारत माता के बेटों की रक्षा नहीं कर सकते। उन्होंने मोदी पर आरोप लगाया कि उनमें भारतीय नागरिकों की जान जाने के लिए ज़िम्मेदार लोगों का सामना करने की हिम्मत और ताकत नहीं है। एक्स पर एक पोस्ट में गांधी ने कहा कि तीन दिनों के अंदर इंटरनेशनल पानी में तीन जहाजों पर हुए अमेरिकी हमलों में तीन भारतीय मारे गए हैं। और हमारे मजबूर प्रधानमंत्री? एक शब्द भी नहीं। जब कोई विदेशी ताकत किसी

भारतीय की हत्या करती है, तो प्रधानमंत्री को बोलना चाहिए। लेकिन भगवान न करे कि वह एक शब्द भी बोलें। अगले हफ्ते जी7 में, हमारे नाविकों की हत्या के कुछ ही दिनों बाद, मोदी जी मुस्कुराएंगे, गले मिलेंगे और समझौतों पर साइन करेंगे झ लेकिन उन तीन भारतीयों के लिए उनके पास कहने को एक शब्द भी नहीं होगा। एक मजबूर प्रधानमंत्री भारत माता के बेटों की रक्षा नहीं कर सकता, क्योंकि उनमें उन लोगों का सामना करने की हिम्मत या ताकत नहीं है जिन्होंने उन बेटों की जान ली। ओमान की खाड़ी में कमर्शियल टैंकर 'एमटी सेटेबेलो' पर अमेरिकी सेना के हमले में तीन भारतीय नाविकों की मौत के बाद ये टिप्पणियां आईं। अमेरिकी सेना ने आरोप लगाया था कि यह जहाज ईरानी बंदरगाहों पर लगी नौसैनिक नाकेबंदी का उल्लंघन कर रहा था, जिसके बाद बुधवार को इस पर गोलीबारी हुई। जहाज पर मौजूद 24 भारतीय क्रू सदस्यों में से 21 को बचा लिया गया, जबकि तीन की मौत की पुष्टि हुई। शुक्रवार को विदेश मंत्रालय ने ओमान के तट के पास कमर्शियल जहाजों पर हो रहे हमलों के खिलाफ कड़ा विरोध दर्ज कराने के लिए अमेरिकी चार्ज डी'अफेयर्स जेसन मीक्स को तलब किया। यह राजनयिक कदम गुरुवार को उस इलाके में 20 भारतीय क्रू सदस्यों वाले एक कमर्शियल जहाज पर हुए हमले के बाद उठाया गया। समुद्री सुरक्षा को लेकर बढ़ती चिंताओं के कारण विदेश मंत्रालय द्वारा अमेरिकी मिशन को तलब किए जाने का यह दूसरा मामला था।

मल्लिकार्जुन खड़गे ने राज्यसभा में पहुंचने का पूरा श्रेय सोनिया गांधी को दिया, कहा- हर मौके पर मिला उनका साथ

नई दिल्ली एजेंसी: कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने राज्यसभा के लिए अपने चुनाव का श्रेय पार्टी की चेयरपर्सन सोनिया गांधी को दिया है। उन्होंने कहा कि सोनिया गांधी ने उन्हें अपने पूरे राजनीतिक करियर में लोगों की सेवा करने के लगातार मौके दिए हैं। पत्रकारों से बात करते हुए खड़गे ने कहा कि यह मेरा 13वां चुनाव है। मैं सोनिया गांधी का आभारी हूं। उन्होंने मुझे लोगों की सेवा करने के मौके दिए हैं। खड़गे उन चार उम्मीदवारों में शामिल थे जिन्हें कल कर्नाटक से राज्यसभा के लिए निर्विरोध चुना गया। नाम वापस लेने की समय-सीमा खत्म होने के बाद नतीजे की पुष्टि हुई, क्योंकि चार खाली सीटों के लिए मुकाबले में केवल चार उम्मीदवार ही बचे थे, जिससे 18 जून को होने वाली वोटिंग की जरूरत नहीं रही। उच्च सदन में खड़गे के साथ शामिल होने वालों में शिक्षाविद मंसूर अली खान (पूर्व केंद्रीय मंत्री के. रहमान खान

के बेटे), कांग्रेस के मीडिया और प्रचार विभाग के अध्यक्ष पवन खेड़ा, और कर्नाटक लोक सेवा आयोग के पूर्व सदस्य एम. नागराजा शामिल हैं; नागराजा भारतीय जनता पार्टी के एकमात्र उम्मीदवार थे। अधिकारियों ने बताया कि जांच प्रक्रिया के दौरान एक निर्दलीय उम्मीदवार का नामांकन रद्द होने के बाद यह मुकाबला निर्विरोध हो गया, जिससे चार सीटों के लिए ठीक चार वैध उम्मीदवार ही बचे। चुनाव आयोग ने 1 जून को राज्यसभा की 24 सीटों के लिए द्विवार्षिक चुनाव की अधिसूचना जारी की। इन सीटों में कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और गुजरात में चार-चार सीटें; राजस्थान और मध्य प्रदेश में तीन-तीन सीटें; झारखंड में दो सीटें; और अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर और मेघालय में एक-एक सीट शामिल है। महाराष्ट्र, तमिलनाडु और ओडिशा में एक-एक सीट के लिए राज्यसभा उपचुनाव की अधिसूचना भी जारी की गई।

ममता बनर्जी के 'सांप्रदायिक बयान' पर बवाल, कोलकाता पुलिस ने दर्ज की एफआईआर

नई दिल्ली एजेंसी: मार्च 2026 में दिए गए एक राजनीतिक भाषण के बाद, शुक्रवार को टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी के खिलाफ एक नई ऋकफ दर्ज की गई। ममता ने चेतावनी दी थी कि अगर कोई खास समुदाय एकजुट हो जाए, तो इसके दूसरों के लिए गंभीर नतीजे हो सकते हैं। उनके सार्वजनिक भाषणों का हवाला देते हुए, कोलकाता के एक निवासी ने हेयर स्ट्रीट पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी, जिसे अब कोलकाता पुलिस ने ऋकफ के तौर पर दर्ज कर लिया है। ममता की रैली में दिए गए भाषण से सांप्रदायिक अशांति फैल सकती है कोलकाता के एक निवासी ने एफआईआर में आरोप लगाया कि रैली में दिए गए उनके भाषण से सांप्रदायिक अशांति और सार्वजनिक अशांति फैल सकती है। शिकायत में ममता बनर्जी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की गई है। यह मामला कोलकाता में 2026 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव अभियान से ठीक पहले एक राजनीतिक कार्यक्रम के दौरान दिए गए कथित भड़काऊ और सांप्रदायिक बयानों से जुड़ा है। दक्षिण कोलकाता के नेताजी नगर पुलिस स्टेशन में 20 मई को दी गई शिकायत के अनुसार, स्थानीय निवासी तुषार कांति दास ने आरोप लगाया कि ममता बनर्जी ने एक जनसभा के दौरान जो बयान दिया, उससे पश्चिम बंगाल राज्य में अलग-अलग समुदायों के बीच डर, गलतफहमी और तनाव पैदा हो सकता है। ममता के भाषण से नागरिकों में असुरक्षा की भावना पैदा हो सकती अपनी शिकायत में उन्होंने कहा कि ममता ने भारतीय जनता पार्टी के "गुमराह करने वाले प्रचार" के बारे में मतदाताओं को आगाह करते हुए ये बातें कहीं। उन्होंने कहा कि ममता ने संकेत दिया कि अगर वोटिंग पैटर्न बदला, तो किसी खास समुदाय को बुरे नतीजों का सामना करना पड़ सकता है।

यूसीसी बिल पास होने के बाद 6 जुलाई से असम का बजट सत्र, सदन में हंगामे के आसार

असम एजेंसी: असम विधानसभा सचिवालय की एक आधिकारिक सूचना के अनुसार, 16वीं असम विधानसभा का बजट सत्र 6 जुलाई से शुरू होगा। इसमें बताया गया है कि असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने संविधान के अनुच्छेद 174 के खंड (1) के तहत यह आदेश जारी किया, जो राज्यपाल को सदन बुलाने का अधिकार देता है। सूचना के अनुसार, बजट सत्र 6 जुलाई को सुबह 9:30 बजे दिसपुर स्थित विधानसभा कक्ष में शुरू होगा। इससे पहले, 27 मई को असम विधानसभा ने बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए और विपक्षी दलों के बीच लंबी बहस के बाद यूनिफॉर्म सिविल कोड बिल पारित किया था। इस बिल का मकसद धर्म से परे शादी, तलाक, उत्तराधिकार और लिव-इन रिलेशनशिप के लिए एक समान नागरिक कानूनी ढांचा बनाना है। इसके साथ ही, उत्तराखंड और गुजरात के बाद असम पूर्वोत्तर का

पहला और देश का तीसरा भारतीय जनता पार्टी शासित राज्य बन गया है जिसने ऐसा कानून पास किया है। हालांकि, पुर्तगाली औपनिवेशिक शासन के समय से ही गोवा में भी कॉमन सिविल लॉ लागू है। यह बिल बहुविवाह पर रोक लगाता है और दूल्हे के लिए 21 साल और दुल्हन के लिए 18 साल की कानूनी उम्र तय करता है। इसमें शादी और लिव-इन रिलेशनशिप का रजिस्ट्रेशन अनिवार्य करने का प्रस्ताव है, साथ ही नियमों का पालन न करने पर समय-सीमा और जुमार्ने का भी प्रावधान है। एक आधिकारिक बयान में कहा गया, यह कानून रीति-रिवाजों की पूरी आजादी देकर सांस्कृतिक विविधता की रक्षा करता है।

इसमें वैदिक विवाह, अहोम चकलोंग, सप्तपदी, आशीर्वाद, निकाह, होली यूनियन और आनंद कारज जैसे किसी भी मौजूदा धार्मिक समारोह या रीति-रिवाज से शादी करने की अनुमति है। यूसीसी बिल 25 मई को राज्य विधानसभा में पेश किया गया था, जिसमें बहुविवाह पर रोक लगाने और लिव-इन रिलेशनशिप का रजिस्ट्रेशन अनिवार्य करने का प्रस्ताव था।

क्या है संविधान का अनुच्छेद 329, जिसका हवाला देकर एससी ने मीनाक्षी नटराजन की याचिका पर सुनवाई से किया इनकार

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश से कांग्रेस की राज्यसभा उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन को सुप्रीम कोर्ट से झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने नामांकन खारिज करने के रिटर्निंग आफिसर के आदेश को चुनौती देने वाली मीनाक्षी नटराजन की याचिका शुक्रवार को खारिज कर दी। कोर्ट ने याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया, लेकिन उन्हें जनप्रतिनिधित्व कानून के तहत चुनाव याचिका दाखिल करने की छूट दी है। क्यों खारिज हुई याचिका? न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा और एएस चंदुरकर की पीठ ने संविधान के अनुच्छेद 329 के प्रतिबंध का हवाला देते हुए अनुच्छेद 32 के तहत दाखिल की गई नटराजन की याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया और याचिका खारिज कर दी। हालांकि इससे पहले कोर्ट ने नटराजन के वकील अभिषेक मनु सिंघवी, प्रतिपक्षी वकील मुकुल रोहतगी, कनु अग्रवाल, चुनाव आयोग की ओर से डीएस नायडू व मध्य प्रदेश सरकार की ओर से तुषार मेहता की दलीलें सुनीं। कांग्रेस ने क्या दिया था तर्क? अभिषेक मनु सिंघवी ने रिटर्निंग आफीसर के नामांकन खारिज करने के आदेश को गलत ठहराते हुए कहा कि जनप्रतिनिधित्व कानून की धारा

33ए कहती है कि दो साल से अधिक सजा वाले अपराध या जिन आपराधिक मामलों में अदालत ने आरोप तय कर दिये हों उनका ब्योरा हलफनामे में देना होगा। लेकिन जिस केस का खुलासा न करने के लिए रिटर्निंग आफीसर ने नामांकन रद किया है उसमें अदालत से आरोप तय नहीं हुए हैं। न ही अदालत ने

सुप्रीम कोर्ट ने मीनाक्षी नटराजन की याचिका खारिज की। नामांकन खारिज करने के आदेश को चुनौती दी गई थी। जनप्रतिनिधित्व कानून के तहत चुनाव याचिका की छूट।

संज्ञान लिया है अभी सिर्फ कोर्ट ने एक निजी शिकायत पर उन्हें समन जारी किया है। क्या बोले बीजेपी के वकील? जबकि प्रतिवादी बीजेपी की ओर से पेश वरिष्ठ वकील मुकुल रोहतगी ने सिंघवी की दलीलों का विरोध करते हुए कहा कि चुनाव लड़ना विधायी अधिकार है यह कोई मौलिक अधिकार नहीं है। ऐसे में इस संबंध में अनुच्छेद 32 के तहत दाखिल रिट याचिका पर सुप्रीम कोर्ट सुनवाई नहीं कर सकता क्योंकि अनुच्छेद 32 के तहत याचिका मौलिक अधिकारों के उल्लंघन पर दाखिल की जाती है। रोहतगी का कहना था कि ऐसी किसी भी याचिका पर सुनवाई करने पर अनुच्छेद 329 स्पष्ट रूप से रोक लगाता है। उन्होंने यह भी कहा कि नियम के मुताबिक हलफनामे में सभी लंबित आपराधिक मामलों का ब्योरा देना होता है सिर्फ उन मामलों का नहीं जिनमें आरोप तय हुए हों। हालांकि अनुच्छेद 32 के तहत दाखिल रिट याचिका पर सुनवाई पर सिंघवी की दलील थी कि अगर नामांकन खारिज करने में स्पष्ट रूप से गलती हुई है तो सुप्रीम कोर्ट पूर्ण न्याय करने के लिए अनुच्छेद 32 के तहत दाखिल याचिका पर सुनवाई कर आदेश दे सकता है। क्या बोला सुप्रीम कोर्ट? लेकिन सुप्रीम कोर्ट सिंघवी की दलीलों से सहमत नहीं हुआ।

कोर्ट ने कहा कि अगर सिंघवी की दलीलें स्वीकार की जाती हैं तो इसका मतलब है कि जिन मामलों में नामांकन खारिज होने में स्पष्ट गलती है तो कोर्ट उन्हें अनुच्छेद 32 और 226 के तहत दाखिल याचिकाओं में सुन सकता है

संपादकीय

महिलाओं के खिलाफ हिंसा

यूं तो भारतीय समाज में महिलाओं को सशक्त बनाने के तमाम दावे गाहे-बगाहे किए ही जाते हैं। आधी दुनिया को पूरा हक देने की बात होती है। किंतु-परंतु के बीच उन्हें जनप्रतिनिधि संस्थाओं में 33 फीसदी आरक्षण देने पर प्रतिबद्धता जतायी जाती है। लेकिन इन दावों के बीच सामने आया एक कड़वा सच हमें वास्तविक स्थिति से रूबरू करा देता है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-6 की रिपोर्ट के आंकड़े बताते हैं कि देश में ग्रामीण इलाकों में हर चौथी और शहरी क्षेत्र में हर छठी महिला किसी न किसी रूप में हिंसा का शिकार होती रही है। यह विडंबना ही है कि शहरों की तुलना में ज्यादा शांत व सुरक्षित माने जाने वाले ग्रामीण इलाकों में स्त्रियों को घरेलू एवं यौन हिंसा का ज्यादा सामना करना पड़ता है। वीरवार को सुप्रीम कोर्ट ने गृहिणियों के योगदान को राष्ट्र के उत्थान में महत्वपूर्ण बताते हुए उन्हें नेशन बिल्डर तक कह दिया। यहां तक कि घर और परिवार की देखभाल में गृहिणियों द्वारा किए जाने वाले कार्यों के कल्पित आर्थिक मूल्य का निर्धारण करते हुए उसे नजरअंदाज न करने की सलाह दी। यह विडंबना ही है कि जिन महिलाओं को सुप्रीम कोर्ट नेशन बिल्डर बता रहा है, उन्हें हम सुरक्षा नहीं दे पा रहे हैं। आखिर महिला सशक्तीकरण के सारे विशेष प्रयास सिर्फ कागजों तक ही क्यों सिमट जाते हैं? आखिर क्या वजह है कि महिलाओं की रक्षा-सुरक्षा हेतु तमाम विशेष कानून बनाये जाने के बावजूद जमीनी हकीकत नहीं बदलती है। इसमें दो राय नहीं कि समय-समय पर महिला उत्थान के लिये तमाम महत्वपूर्ण योजनाएं और अभियान चलाये जाते रहे हैं। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि विकासात्मक कार्यों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है। जीवन के हर क्षेत्र में वे अपना आकाश तलाश रही हैं। विधायिका में तैंतीस प्रतिशत आरक्षण देने के मुद्दे पर सभी राजनीतिक दल सहमत नजर आते हैं। सवाल यही है कि जीवन व्यवहार में स्थिति क्यों नहीं बदलती। देश के नीति-नियंताओं को इस गंभीर मुद्दे पर विचार करना होगा कि महिलाओं की सुरक्षा के लिये तमाम विशेष कानून बनाये जाने के बावजूद क्यों ग्रामीण क्षेत्रों में हर चौथी व शहरी क्षेत्र में हर छठी स्त्री को हिंसा व यौन उत्पीड़न का शिकार होना पड़ रहा है। आखिर क्या वजह है कि घर से लेकर बाहर तक वे खुद को सुरक्षित नहीं महसूस कर पा रही हैं? क्या कहीं इसमें पितृसत्ता प्रधान समाज की मानसिकता कारण है? दरअसल, आज लड़कियों व महिलाओं के खिलाफ हिंसा कई रूपों में मौजूद है। आजादी के सात दशक बाद भी हम दहेज के कलंक से मुक्त नहीं हो पाये हैं।

चिंतन-मनन

कर्म से बना है वर्ण

मेरे द्वारा चार वर्णों की रचना गुण और कर्मों के हिसाब से की जाती है, फिर भी तू मुझे कभी न खत्म होना वाला और कर्मों के बंधन से मुक्ति ही जान ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य और शूद्र ये चार वर्ण हैं, अब ऐसा मान लेते हैं कि जो जिस घर में जन्म लेता है, वह उसी वर्ण का कहलाता है। जबकि वर्ण व्यवस्था गुण और कर्म के आधार पर शुरू हुई थी। पहले जब बच्चे को पढ़ाई के लिए गुरुकुल भेजा जाता था, तब तक वह किसी वर्ण का नहीं कहलाता था। वहां गुरु अपने शिष्यों की रुचि को जानकर उसके हिसाब से उन्हें पढ़ाते थे।

वेदों को पढ़ने में रुचि लेने वालों को ब्राह्मण, युद्ध कला में महारथी को क्षत्रिय, व्यापार में रुचि वाले को वैश्य और सेवा भाव वाले को शूद्र की उपाधि दी जाती थी। इसके बाद वे समाज में उसी के हिसाब से काम करते थे। यही भगवान कह रहे हैं कि मैंने गुणों और कर्मों के आधार पर चार वर्णों की रचना की हैं, जिससे सभी मनुष्य कर्मों में लगे रहें। ये सब करते हुए भी तुम मुझे कभी न खत्म होने वाला और कुछ न करने वाला जानो। सब कुछ करते हुए भी भगवान कह रहे हैं कि मैं कुछ भी नहीं करता।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

उड़ान के दौरान यात्री को पानी न देना उपभोक्ता सेवा में कमी!

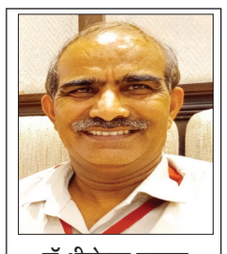

डॉ श्रीगोपाल नारसन

हिमाचल के जिला धर्मशाला उपभोक्ता आयोग ने उड़ान में बच्चों को पानी न देने के लिए थाई लायन एयर पर एक लाख रुपये का जुमार्ना लगाया है। यह परिवाद तरुण कुमार चौरसिया ने उपभोक्ता आयोग के समक्ष दायर किया था, जिन्होंने बैंकॉक की यात्रा के लिए अपने और अपने परिवार के लिए हवाई टिकट बुक किए थे।हेमांशु मिश्रा और आरती सूद की अध्यक्षता वाले जिला उपभोक्ता आयोग ने यह भी माना कि एयरलाइन का यह आचरण बुनियादी मानवाधिकारों का उल्लंघन और सेवा में कमी का मामला है। तरुण कुमार चौरसिया ने फ्लाइट नंबर एसएल0214 के तहत अपने और अपने परिवार के लिए बैंकॉक की यात्रा के लिए टिकट बुक किए थे, जो मूल रूप से 13 से 20 जनवरी, 2025 तक निर्धारित थे। थाई लायन एयर ने उपभोक्ता की सहमति के बिना उड़ान को 14 से 21 जनवरी तक पुनर्निर्धारित कर दिया, जिससे परिवार की यात्रा योजना बाधित हुई और उन्हें वित्तीय नुकसान हुआ, जिसमें 2,527 रुपये की गैर-वापसी योग्य होटल बुकिंग भी शामिल है। अमृतसर से बैंकॉक की उड़ान के दौरान, एयरलाइन के कर्मचारियों ने उनके 10 और 15 वर्ष के बच्चों को पीने का पानी देने से यह कहकर इनकार कर दिया कि पानी मुफ्त नहीं है और केवल थाई करेंसी में ही खरीदा जा सकता है। एयरलाइन द्वारा भारतीय मुद्रा स्वीकार न किए जाने के कारण बच्चे छह घंटे की पूरी यात्रा के दौरान प्यासे रहे। जिसपर थाई लायन एयर और नागरिक उड्डयन महानिदेशालय दोनों को नोटिस भेजे जाने के बाद जिला उपभोक्ता आयोग ने इस मामले पर सुनवाई की। वैध नोटिस मिलने के बावजूद, कोई भी विपक्षी पक्ष आयोग के समक्ष उपस्थित नहीं हुआ। परिणामस्वरूप, उपभोक्ता के हलफनामे और सहायक दस्तावेजों के आधार पर मामले की कार्यवाही एकतरफा सुनवाई के लिए निर्धारित की गई। आयोग ने हस्ताक्षरित यात्री टिप्पणी प्रपत्र (अनुलग्नक सी-4) को मुख्य साक्ष्य के रूप में संदर्भित किया और पाया कि सुनीसा नामक एक चालक दल सदस्य ने एक बयान पर हस्ताक्षर करके पुष्टि की थी कि उड़ान में नियमित पानी की कोई मुफ्त व्यवस्था नहीं थी और खरीद के लिए केवल थाई करेंसी ही स्वीकार किए जाते थे। अपने फैसले में उपभोक्ता आयोग ने कहा, ह्लहम इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि विपक्षी पार्टी नंबर 1 थाई लायन एयर ने उपभोक्ता के नाबालिग बच्चों को छह घंटे की लंबी यात्रा के दौरान प्यासा रखकर सेवा में लापरवाही बरती है। विपक्षी पार्टी नंबर एक के चालक दल ने न केवल सेवा में लापरवाही बरती है, बल्कि इस मामले में बुनियादी मानवाधिकारों का भी उल्लंघन हुआ है।उपभोक्ता की पूर्व सहमति के बिना उड़ान का समय बदलना भी सेवा में लापरवाही है। इसलिए, शिकायत स्वीकार की गई।उपभोक्ता आयोग ने थाई लायन एयर को मानसिक पीड़ा के मुआवजे के रूप में एक लाख रुपये, होटल के नुकसान के लिए 9 प्रतिशत वार्षिक ब्याज सहित 2,527 रुपये और मुकदमे खर्च के रूप में 10,000 रुपये का भुगतान करने का निर्देश दिया। फ्लाइट में पानी न मिलना यात्रियों के अधिकारों का सीधा उल्लंघन है। सभी एयरलाइनों के लिए उड़ान के दौरान पीने का पानी मुफ्त उपलब्ध कराना अनिवार्य है।इसी प्रकार 31 जनवरी की सुबह लैक्स से की फ्लाइट लेट हो गई।साथ ही प्लेन बहुत गर्म और उमस भरा हो गया था।एक यात्री ने पानी मांगा तो एयर होस्टेस ने इसे नियमों के खिलाफ बताया व कहा कि वे पानी बेच भी नहीं सकते। उन्होंने यात्री को पानी पीने के लिए प्लेन से उतार दिया , लेकिन वापस प्लेन में चढ़ाने के लिए 10 मिनट तक दरवाजा खोलने के लिए कोई स्टाफ मौजूद नहीं था।

असम-नगालैंड के बीच दशकों का विवाद खत्म, तेल समझौता संपन्न, शाह ने पूर्वोत्तर का भाग्य ही बदल दिया

नीरज कुमार दुबे

ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही मोदी सरकार को पूर्वोत्तर से एक बड़ी रणनीतिक सफलता मिली है। केंद्र, असम और नगालैंड के बीच तेल और प्राकृतिक गैस अन्वेषण को लेकर हुआ त्रिपक्षीय समझौता भारत को ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के अभियान का निर्णायक अध्याय है। दशकों से विवाद और अस्थिरता में फंसे असम, नगालैंड सीमा क्षेत्र में तेल खोज का रास्ता खोलकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस मिशन को नई ताकत दे दी है, जिसका लक्ष्य विदेशी तेल निर्भरता घटाकर भारत को ऊर्जा महाशक्ति बनाना है। यही वजह है कि अमित शाह ने इसे विकसित पूर्वोत्तर और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताया है।

हम आपको बता दें कि केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में भारत सरकार, असम सरकार और नगालैंड सरकार के बीच असम-नगालैंड सीमावर्ती क्षेत्रों में खनिज तेल संचालन के संबंध में एक त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस मौके पर केन्द्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी, असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्वा सरमा और नगालैंड के मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो सहित केंद्र, असम एवं नगालैंड सरकार के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। अमित शाह ने इसे ऐतिहासिक क्षण बताते हुए साफ कहा कि इस समझौते ने विकसित पूर्वोत्तर के रास्ते में खड़ी अंतिम बड़ी बाधा हटा दी है।

हम आपको बता दें कि असम और नगालैंड की सीमा से लगे विवादित क्षेत्र में तीन दशक से अधिक समय से तेल और खनिज अन्वेषण ठप पड़ा था। अधिकार क्षेत्र को लेकर दोनों राज्यों के बीच तनाव बना रहता था, जिसके कारण हजारों करोड़ रुपये की संपदा जमीन के नीचे दबी रह गई। अब इस समझौते के तहत एक हजार वर्ग किलोमीटर से अधिक क्षेत्र में तेल, गैस और खनिज संसाधनों की खोज और उत्पादन का रास्ता खुल गया है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि दोनों राज्यों ने संसाधनों के बंटवारे पर 50-50 की सहमति बनाई है। यही वह राजनीतिक परिपक्वता है जिसने इस समझौते को टकराव से निकालकर साझेदारी के मॉडल में बदल दिया।

अमित शाह ने दावा किया कि इस एक समझौते से प्रतिदिन एक हजार से पंद्रह सौ बैरल तेल उत्पादन क्षमता को दस गुना तक बढ़ाया जा सकता है। केवल एक तेल क्षेत्र से पंद्रह हजार करोड़ रुपये से अधिक की संभावित प्राप्ति का अनुमान जताया गया है। यह बयान केवल आर्थिक संभावना का संकेत नहीं, बल्कि उस रणनीतिक दिशा का संकेत है जिसमें भारत तेजी से आगे बढ़ना चाहता है। वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव, पश्चिम एशिया में अस्थिरता और ऊर्जा आपूर्ति संकटों के दौर में भारत लंबे समय से आयातित तेल पर निर्भरता घटाने की कोशिश कर रहा है। ऐसे समय में पूर्वोत्तर के विशाल तेल और गैस भंडार भारत के लिए नई ऊर्जा रीढ़ साबित हो सकते हैं।

दरअसल यह समझौता केवल तेल निकालने का मसला नहीं है। यह पूर्वोत्तर को संघर्ष की पहचान से निकालकर सामरिक और आर्थिक शक्ति केंद्र में बदलने की कवायद है। अमित शाह ने कहा कि यदि नगालैंड में फैले तेल और गैस भंडार का पूरा दोहन हुआ तो भारत विदेशी देशों पर अपनी ऊर्जा निर्भरता काफी हद तक कम कर सकेगा। इसका सीधा मतलब है कि भारत अपने ऊर्जा हितों को लेकर अधिक स्वतंत्र रणनीति अपना सकेगा। देखा जाये तो ऊर्जा आत्मनिर्भरता केवल आर्थिक मुद्दा नहीं होती, यह राष्ट्रीय सुरक्षा का मूल तत्व बन चुकी है। साथ ही इस पूरे घटनाक्रम का दूसरा बड़ा पहलू सुरक्षा और शांति से जुड़ा है। अमित शाह ने पूर्वोत्तर में हिंसा की घटनाओं में लगभग अस्सी प्रतिशत गिरावट का दावा करते हुए कहा कि वर्ष 2019 के बाद 12 शांति समझौते हुए हैं। यही कारण है कि अब सशस्त्र बल विशेष अधिकार अधिनियम को भी पूर्वोत्तर के अधिकांश हिस्सों से हटाने की तैयारी चल रही है। अमित शाह ने विश्वास जताया कि अगले वर्ष एक या दो राज्यों को छोड़कर पूरे पूर्वोत्तर से यह कानून हटाया जा सकता है। यह बयान बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि दशकों तक पूर्वोत्तर की पहचान उग्रवाद, सैन्य उपस्थिति और अस्थिरता से जुड़ी रही है। अब केंद्र सरकार यह संदेश देना चाहती है कि क्षेत्र संघर्ष से विकास की ओर बढ़ चुका है।

रणनीतिक दृष्टि से देखें तो यह समझौता चीन और दक्षिण पूर्व एशिया से जुड़ी भारत की व्यापक नीति से भी मेल खाता है। पूर्वोत्तर भारत लंबे समय तक केवल भौगोलिक सीमा माना जाता रहा, लेकिन अब उसे आर्थिक गलियारे, ऊर्जा केंद्र और संपर्क सेतु के रूप में विकसित किया जा रहा है। सड़क, रेल, निवेश, पर्यटन और ऊर्जा परियोजनाओं के जरिए केंद्र सरकार इस क्षेत्र को राष्ट्रीय विकास की मुख्यधारा में लाने की कोशिश कर रही है। तेल और गैस परियोजनाओं के सक्रिय होने से निजी निवेश बढ़ेगा, रोजगार पैदा होंगे और क्षेत्रीय असंतोष कम होगा। यही वह बिंदु है जहां विकास और राष्ट्रीय सुरक्षा एक दूसरे के पूरक बन जाते हैं।

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने भी कहा कि यह समझौता देश की दीर्घकालिक ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में मदद करेगा। वहीं नगालैंड के मुख्यमंत्री नेफियू रियो की सहमति इस बात का संकेत है कि अब पूर्वोत्तर की राजनीति टकराव से अधिक आर्थिक साझेदारी की दिशा में बढ़ रही है। यही कारण है कि अमित शाह ने इसे जीत हार का नहीं, बल्कि सबकी जीत का समझौता बताया।

बहरहाल, अब स्पष्ट है कि यह त्रिपक्षीय समझौता केवल सीमाई विवाद सुलझाने का प्रयास नहीं, बल्कि पूर्वोत्तर के भविष्य को नए सिरे से परिभाषित करने की शुरूआत है। यदि सरकार अपने दावों के अनुरूप तेल उत्पादन, निवेश और शांति प्रक्रिया को आगे बढ़ाने में सफल रहती है, तो आने वाले वर्षों में पूर्वोत्तर भारत की ऊर्जा शक्ति, सामरिक मजबूती और आर्थिक विस्तार का सबसे महत्वपूर्ण केंद्र बन सकता है।

फिर सुलग रही खाड़ी: होर्मुज जलडमरूमध्य बंद, दुनियाँ में हड़कंप

भारत की ऊर्जा सुरक्षा, महंगाई और अर्थव्यवस्था पर मंडराता संकट? -व्यापक समग्र विश्लेषण...

ईरान नें होर्मुज जलडमरूमध्य बंद से ऊर्जा सुरक्षा, वैश्विक व्यापार मुद्रास्फीति और आर्थिक स्थिरता को लेकर नई चिंताएं पैदा कर दी हैं.

होर्मुज जलडमरूमध्य बंद से केवल क्षेत्रीय नहीं वैश्विक अर्थव्यवस्था को झटका की संभावना?, इस जलमार्ग में व्यवधान का असर सीधे अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजारों पर दिखाई देता है.

वैश्विक स्तरपर पश्चिम एशिया एक बार फिर वैश्विक भू-राजनीतिक उथल-पुथल का केंद्र बन गया है। 11 जून 2026 को स्थिति तब और गंभीर हो गई जब ईरान ने अमेरिका के साथ बढ़ते सैन्य टकराव के बीच दुनियाँ के सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा मार्गों में से एक, होर्मुज जलडमरूमध्य, को सभी वाणिज्यिक जहाजों और तेल टैंकरों के लिए बंद करने की घोषणा कर दी। ईरानी सैन्य नेतृत्व ने चेतावनी दी है कि जलडमरूमध्य से गुजरने की कोशिश करने वाले किसी भी जहाज को निशाना बनाया जाएगा। यह कदम कथित रूप से अमेरिका और ईरान के बीच समुद्री टकराव तथा अमेरिकी सैन्य कार्रवाइयों के बाद उठाया गया है। इसके साथ ही वैश्विक ऊर्जा बाजारों में भारी बेचैनी फैल गई है। ब्रेंट क्रूड की कीमत लगभग 95.40 डॉलर प्रति बैरल और अमेरिकी डब्ल्यूटीआई लगभग 92.6 डॉलर प्रतिबैरल तक पहुंच गया है। दुनियाँ की लगभग 20 प्रतिशत तेल और गैस आपूर्ति इसी मार्ग से गुजरती है, इसलिए इस घटनाक्रम ने ऊर्जा सुरक्षा, वैश्विक व्यापार, मुद्रास्फीति और आर्थिक स्थिरता को लेकर नई चिंताएं पैदा कर दी हैं। संयुक्त राष्ट्र में भारत ने भी खाड़ी क्षेत्र में व्यापारिक जहाजों पर बढ़ते हमलों और भारतीय नागरिकों की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंताव्यक्त की है। वर्तमान घटनाक्रम केवल क्षेत्रीय संघर्ष नहीं बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए एक बड़े झटके के रूप में देखा जा रहा है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि यह बिल्कुल सही है कि होर्मुज जलडमरूमध्य विश्व ऊर्जा व्यवस्था की धुरी माना जाता है। फारस की खाड़ी को अरब सागर से जोड़ने वाला यह संकरा समुद्री मार्ग सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कुवैत, कतर, इराक और ईरान जैसे प्रमुख ऊर्जा उत्पादक देशों के निर्यात का मुख्य रास्ता है। सामान्य परिस्थितियों में प्रतिदिन करोड़ों बैरल तेल और विशाल मात्रा में एलएनजी इसी मार्ग से दुनिया के विभिन्न हिस्सों तक पहुंचती है। यही कारण है कि जब भी इस जलमार्ग में व्यवधान आता है, उसका असर सीधे अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजारों पर दिखाई देता है। वर्तमान संकट में भी निवेशकों और ऊर्जा कंपनियों ने आपूर्ति बाधित होने की आशंका को देखते हुए तेल खरीदना शुरू कर दिया,जिसके परिणामस्वरूप कच्चे तेल की कीमतों में तत्काल उछाल देखने को मिला।

साथियों, अंतरराष्ट्रीय बाजारों की पहली प्रतिक्रिया तेल कीमतों में तेजी के रूप में सामने आई है। ब्रेंट क्रूड लगभग 95 डॉलर प्रति बैरल के स्तर तक पहुंच गया है जबकि डब्ल्यूटीआई भी 92 डॉलर प्रति बैरल के आसपास कारोबार कर रहा है। ऊर्जा विश्लेषकों का मानना है कि यदि जलडमरूमध्य लंबे समय तक बंद रहता है या सैन्य संघर्ष और बढ़ता है तो तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर भी जा सकती हैं। वैश्विक वित्तीय बाजारों में भी अस्थिरता बढ़ने की आशंका है क्योंकि ऊर्जा लागत लगभग हर आर्थिक गतिविधि को प्रभावित करती है।

साथियों, भारत के लिए यह संकट विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि देश अपनी आवश्यकता का 80 प्रतिशत से अधिक कच्चा तेल आयात करता है। भारत की ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा खाड़ी क्षेत्र से पूरा होता है और उसका एक बड़ा भाग होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते आता है। इसलिए इस मार्ग में किसी भी प्रकार की रुकावट का सीधा असर भारतीय ऊर्जा सुरक्षा पर पड़ता है। यदि तेल की आपूर्ति प्रभावित होती है तो भारत का आयात बिल बढ़ेगा,चालू खाता घाटा बढ़ सकता है और रुपये पर दबाव पड़ सकता है। ऊर्जा आयात पर बढ़ती लागत अंततः उपभोक्ताओं तक पहुंचती है और महंगाई को बढ़ावा देती है।सबसे पहला प्रभाव पेट्रोल और डीजल की कीमतों पर दिखाई दे सकता है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चा तेल महंगा होने से भारतीय तेल विपणन कंपनियों की लागत बढ़ जाती है। यदि मौजूदा तनाव कुछ और दिनों या सप्ताहों तक बना रहता है तो पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों में उल्लेखनीय वृद्धि की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। विशेषज्ञों का अनुमान है कि लंबी अवधि तक ऊंचे तेल मूल्य बने रहने पर ईंधन की कीमतों में कई रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी हो सकती है। इसका सीधा असर आम नागरिकों, किसानों, उद्योगों और परिवहन क्षेत्र पर पड़ेगा। पेट्रोल और डीजल केवल वाहन चलाने का साधन नहीं हैं बल्कि पूरी अर्थव्यवस्था की जीवनरेखा हैं। डीजल की कीमत बढ़ने का अर्थ है कि ट्रकों, बसों और मालवाहक वाहनों की परिचालन लागत बढ़ जाएगी। जब परिवहन महंगा होता है तो फल, सब्जियां, दूध, अनाज, दवाइयां और अन्य आवश्यक वस्तुओं की कीमतें भी बढ़ने लगती हैं। यही कारण है कि तेल कीमतों में वृद्धि को अक्सर 'महंगाई की जननी' कहा जाता है। एक बार यदि ईंधन लागत बढ़ती है तो उसका असर अर्थव्यवस्था के लगभग हर क्षेत्र में सटीकता से दिखाई देता है।

साथियों, 7 जून 2026 से मृग लग गया है व खेती के कार्य शुरू हो चुके हैं, कृषि क्षेत्र भी इस संकट से अछूता नहीं रहेगा। भारत में सिंचाई, कृषि मशीनरी और खाद्य आपूर्ति श्रृंखला का बड़ा हिस्सा डीजल पर निर्भर है। डीजल महंगा होने से किसानों की लागत बढ़ेगी और इसका असर खाद्यान्न कीमतों पर पड़ सकता है। इसके अलावा उर्वरक उद्योग प्राकृतिक गैस और पेट्रोकेमिकल उत्पादों पर निर्भर है। यदि ऊर्जा लागत बढ़ती है तो उर्वरकों का उत्पादन भी महंगा हो सकता है।विमानन क्षेत्र पर भी दबाव बढ़ सकता है। विमान ईंधन की लागत एयरलाइंस के कुल खर्च का बड़ा हिस्सा होती है। यदि अंतरराष्ट्रीय तेल कीमतें लगातार ऊंची बनी रहती हैं तो घरेलू और अंतरराष्ट्रीय हवाई किराए में वृद्धि संभव है। इससे पर्यटन उद्योग, व्यापारिक यात्राओं और विमानन क्षेत्र की मांग पर असर पड़ सकता है।

साथियों, भारत के लिए चिंता का एक और बड़ा विषय एलएनजी यानी तरल प्राकृतिक गैस की आपूर्ति है। भारत कतर सहित खाड़ी देशों से बड़ी मात्रा में एलएनजी आयात करता है और उसका महत्वपूर्ण हिस्सा होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर आता है। यदि इस मार्ग में लंबे समय तक व्यवधान रहता है तो सीएनजी और पीएनजी की उपलब्धता तथा कीमतों पर असर पड़ सकता है। इससे घरेलू उपभोक्ताओं के साथ- साथ बिजली उत्पादन, उर्वरक निर्माण और औद्योगिक इकाइयों की लागत भी बढ़ सकती है।हालांकि स्थिति गंभीर है, लेकिन भारत पूरी तरह असहाय नहीं है। पिछले वर्षों में भारत ने अपनी ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने के लिए कई कदम उठाए हैं। देश के पास रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार मौजूद हैं जिनका उपयोग आपातकालीन परिस्थितियों में किया जा सकता है।विशाखापट्टनम मैंगलोर और पादुर जैसेस्थानों पर स्थापित भूमिगत भंडारण सुविधाएं सीमित अवधि के लिए देश को राहत प्रदान कर सकती हैं। ये भंडार किसी भी अचानक आपूर्ति संकट के दौरान महत्वपूर्ण सुरक्षा कवच साबित हो सकते हैं।इसके अतिरिक्त भारत नेऊर्जा आयात के स्रोतों में विविधता लाने की रणनीति अपनाई है। रूस से बढ़ते तेल आयात ने भारत को एक वैकल्पिक आपूर्ति स्रोत उपलब्ध कराया है। रूस से आने वाला तेल सामान्यतः अन्य समुद्री मार्गों से आता है, इसलिए होर्मुज संकट की स्थिति में यह भारत के लिए एक महत्वपूर्ण विकल्प बन सकता है। यदि आवश्यकता हुई तो भारत रूस तथा अन्य गैर-खाड़ी आपूर्तिकताओं से आयात बढ़ाने की दिशा में सटिका से कदम उठा सकता है।

साथियों, सऊदी अरब, यूएई और अन्य खाड़ी देशों के पास भी कुछ वैकल्पिक पाइपलाइन मार्ग उपलब्ध हैं जिनके माध्यम से सीमित मात्रा में तेल निर्यात किया जा सकता है। हालांकि ये मार्ग होर्मुज के पूर्ण विकल्प नहीं हैं, फिर भी वे वैश्विक बाजार में आपूर्ति के पूर्ण ठहराव को रोकने में मदद कर सकते हैं। इसी कारण ऊर्जा बाजारों में अभी भी आशा बनी हुई है कि राजनयिक प्रयासों के माध्यम से स्थिति को नियंत्रित किया जा सकेगा। भू-राजनीतिक दृष्टि से यह संकट केवल तेल या गैस तक सीमित नहीं है। होर्मुज जलडमरूमध्य विश्व समुद्री व्यापार के सबसे संवेदनशील मार्गों में से एक है। इसके बंद होने से बीमा लागत, माल ढुलाई शुल्क और शिपिंग समय में वृद्धि होती है। अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक कंपनियों को वैकल्पिक मार्ग अपनाने पड़ते हैं, जिससे वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। कोविड-19 महामारी और यूक्रेन संकट के बाद वैश्विक अर्थव्यवस्था पहले ही आपूर्ति व्यवधानों का अनुभव कर चुकी है; ऐसे में होर्मुज संकट नई चुनौतियां पैदा कर सकता है।

साथियों, भारत ने संयुक्त राष्ट्र में स्पष्ट रूप से कहा है कि क्षेत्र में बढ़ते हमले और समुद्री असुरक्षा वैश्विक व्यापार तथा भारतीय नागरिकों दोनों के लिए चिंता का विषय हैं। भारत की प्राथमिकता अपने नागरिकों, व्यापारिक जहाजों और ऊर्जा आपूर्ति की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। इसलिए नई दिल्ली स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है और विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मंचों पर कूटनीतिक समाधान का समर्थन कर रही है। वर्तमान परिस्थितियों में सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि यह संकट कितने समय तक चलता है। यदि राजनयिक प्रयास सफल होते हैं और जलडमरूमध्य जल्द खुल जाता है तो तेल बाजारों में स्थिरता लौट सकती है। लेकिन यदि सैन्य टकराव बढ़ता है या मार्ग लंबे समय तक बंद रहता है तो वैश्विक अर्थव्यवस्था को गंभीर झटका लग सकता है। तेल की कीमतें तीन अंकों तक पहुंच सकती हैं, महंगाई बढ़ सकती है और कई आयात- निर्भर देशों को आर्थिक दबाव का सामना करना पड़ सकता है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि होर्मुज जलडमरूमध्य का बंद होना केवल पश्चिम एशिया का संकट नहीं बल्कि पूरी दुनिया के लिए चेतावनी है। ऊर्जा सुरक्षा, वैश्विक व्यापार, महंगाई, समुद्री सुरक्षा और भू-राजनीतिक स्थिरता,सभी इस एक समुद्री मार्ग से जुड़े हुए हैं। भारत के लिए यह समय ऊर्जा स्रोतों में विविधता, रणनीतिक भंडारों के विस्तार और दीर्घकालिक ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में प्रयासों को और तेज करने का है।आने वाले दिनों में दुनिया की नजरें पश्चिम एशिया पर टिकी रहेंगी, क्योंकि होर्मुज की स्थिति केवल तेल की कीमतों का नहीं बल्कि वैश्विक आर्थिक स्थिरता का भी निर्धारण करेगी।

अमरोहा
शनिवार 13 जून 2026
www.sabkasapna.com

अमरोहा

हिंदी दैनिक
सब का सपना 3

ग्रीष्मकालीन अवकाश में जनगणना कार्य के बदले प्रतिकर अवकाश की मांग, शिक्षकों ने तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ ब्लॉक गंगेश्वरी के बैनर तले शिक्षकों ने ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान किए गए जनगणना कार्य के बदले प्रतिकर अवकाश देने की मांग उठाई है।इस संबंध में शुक्रवार को ब्लॉक अध्यक्ष रामवीर सिंह के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने चार्ज अधिकारी /तहसीलदार हसनपुर को एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन सौंपते हुए ब्लॉक अध्यक्ष रामवीर सिंह ने कहा कि तहसील हसनपुर के समस्त प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षक-शिक्षिकाओं और शिक्षामित्रों ने प्रगणक के रूप में 'जनगणना-2027' के कार्य को पूरी निष्ठा, पारदर्शिता और समयबद्धता के साथ संपन्न किया है। उन्होंने बताया कि इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य को त्रुटिहीन ढंग से पूरा करने के लिए शिक्षक समुदाय ने अपने पूर्व-निर्धारित 'ग्रीष्मकालीन अवकाश' का परित्याग किया और भीषण गर्मी में भी लगातार क्षेत्र में रहकर कार्य को गति दी। शिक्षक संघ ने नियमावली का हवाला देते हुए स्पष्ट किया कि यदि कोई भी राजकीय कर्मचारी या शिक्षक अपने पूर्व-निर्धारित अवकाश के दिनों में शासकीय दायित्वों का निर्वहन करता है, तो उसे आनुपातिक रूप से प्रतिकर अवकाश प्राप्त होने का विधिक अधिकार है। अतः संगठन ने तहसीलदार से मांग की है कि शिक्षकों के हितों को ध्यान में रखते हुए, नियमानुसार उचित संख्या में प्रतिकर अवकाश स्वीकृत करने हेतु संबंधित स्तर से जल्द से जल्द आदेश जारी कराए जाएं। इस अवसर पर मुख्य रूप से एआरपी कमल दीपेंद्र सिंह,पूर्व एआरपी विकास राहुल,वरिष्ठ शिक्षक थान सिंह, दयाचंद सिंह, जसवंत सिंह, रविन्द्र सिंह,छत्रपाल सिंह, अखिलेश शर्मा, ऋषभ चौधरी, विजयपाल सिंह, रामपाल सिंह, देवेश कुमार, करनपाल, मनीष कुमार, कुलदीप सिंह, इन्द्रपाल सिंह, सतेंद्र सिंह, मनोज कुमार आदि शिक्षक एवं शिक्षामित्र उपस्थित रहे।

अजनबी मुसाफिर से आंखें चार मत करना, मुकाबला कव्वाली में उमड़ी भीड़

उझारी/अमरोहा (सब का सपना):- हजरत शेख दाऊद बंदगी रह० के उर्स में बीती रात्रि मुकाबला ए कव्वाली का प्रोग्राम आयोजित किया गया। जिसमें क्षेत्र की भारी भीड़ पहुंची और मुकाबला ए कव्वाली आनंद लिया। जनपद अमरोहा के कस्बा उझारी में हजरत शेख दाऊद बंदगी रह० का 15 दिवसीय उर्स चल रहा है उर्स में बीती रात जावेद परवाज कव्वाल एवं मोहतरमा वफा नियाजी के बीच मुकाबला ए कव्वाली का आयोजन हुआ। जावेद परवाज ने अपना कलाम पेश करते हुए कहा- बतलाओ कि कब तक मुझे नाशाद करोगी, कोई न मिलेगा तो मुझे याद करोगी।।मोहतरमा वफा नियाजी ने जवाब देते हुए कहा- तेरे इश्क का मुझ पर हुआ यह असर है, जिधर देखती हूं तू आता नजर है।। जावेद परवाज ने कहा- शाम से बेकरार बैठी है, करके सोलह सिंगार बैठी है।। वफा नियाजी ने कहा- अजनबी मुसाफिर से आंखें चार मत करना, कुछ भी हो जाए मगर प्यार व्यार मत करना।। देर रात तक चले मुकाबले में कोई भी फनकार अपनी हार मानने को तैयार नहीं था। दूसरी तरफ अकीदतमंद दरगाह पर तबर्रुक एवं चादरपोशी कर रहे थे, तो महिलाएं मीना बाजार से अपनी आवश्यकताओं की वस्तुऐं खरीद रही थीं। उर्स में दूर-दूर से अकीदतमंद पहुंच रहे हैं। हजरत शेख दाऊद बंदगी रह० की दरगाह पूरे भारत में प्रसिद्ध है। यहां पर हर जाति धर्म के लोग आते हैं और अपने मन की मुरादे पाते हैं। उर्स में मुख्य रूप से हकीम चमन, आफाक पठान, चौ० फहीमुद्दीन महल, इफ्तखार उल हसन, नसीम नम्बरदार, मौ० आदिल, मौ० आमिर, मौ० तबरेज, हाजी कल्लन, हाजी बब्बन, भूरे मिस्त्री, कुंवर अदनान महल, चौ० जमीर, अलाउद्दीन सैफी, शहरोज मुख्तार, कोकब इक्तदार, मुस्तकीम अल्वी, सद्दन अली, अबसार अहमद, मास्टर असद, तारिक महमूद, चौ० आसिम, ताजीम अल्वी, नासिर अली एड०, वहाब अहमद आदि मौजूद रहे।

हसनपुर क्षेत्र में भाकियू 'संयुक्त मोर्चा' का दो दिवसीय चिंतन शिविर का किया गया आयोजन

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के हसनपुर तहसील क्षेत्र के गांव धीमरखेड़ी में शुक्रवार को भारतीय किसान यूनियन संयुक्त मोर्चा का दो दिवसीय चिंतन शिविर का आयोजन कराया गया। इस आयोजन को गांव निवासी किसान नवाब चौधरी के आवास पर कराया गया।चिंतन शिविर में पहुंचे राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेश चौधरी का गांव के किसानों ने फूलमाला पहनकर जोरदार स्वागत किया। बता दें कि आयोजित चिंतन शिविर कार्यक्रम के मौके पर राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेंश चौधरी ने कहा कि भारत कृषि प्रधान देश है और कृषि प्रधान देश में भारत की सरकारों ने किसानों के अधिकारों को सील कर रखा है। एक सुई बनाने वाला व्यक्ति भी अपनी सुई का रेट खुद बताता है किसान देश का सबसे बड़ा मैन्युफैक्चर होने के बाद भी अपने द्वारा पैदा की गई चीजों के दाम भी खुद तय नहीं कर सकता मंडियों में जाकर आर्थियों से अपना रेट पूछ कर बेच रहा है। भारत की सरकार ने किसान के साथ सौतेला व्यवहार कर रखा है देश में सबको अपनी चीज के रेट बताने की स्वतंत्रता है लेकिन किसान को नहीं नरेश चौधरी ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी पुराने सभी कानूनों को बदलने का काम कर रहे हैं। तो किसान को स्वतंत्र बनाने का काम क्यों नहीं कर रहे। और कहां की भारत के सरकार ने अमेरिका से एक ट्रेड डील की है जिसमें भारत के किसानों के द्वारा पैदा की गई चीजों के दाम घटाने के लिए अमेरिका से कृषि उत्पादन मंगवाने का काम किया जा रहा है। इससे भारत के किसानों को आर्थिक नुकसान होगा कभी तीन कृषि कानून बनाकर कभी अमेरिका से ट्रेड डील करके भारत की सरकार किसानों की कमर तोड़ने का काम कर रही है। इससे ऐसा लगता है कि भारत की सरकार किसान विरोधी सरकार है बार-बार किसान को नुकसान पहुंचाने का काम किया जा रहा है। यदि यह ट्रेड डील नहीं रोकी गई। आने वाले 2027 में उत्तर प्रदेश के चुनाव में भाजपा के विरोध में वोट डालने को मजबूर होगा। देश में 70% आबादी में आने वाला किसान और मजदूर गरीब है। और एक पान का खोखा चलने वाला व्यापारी भी ज्यादा पैसे कमा रहा है सारा व्यापारी वर्ग किसान के द्वारा पैदा की गई फसलों के ऊपर व्यापार करके करोड़ कमा लेता है। लेकिन किसान की मजदूरी तक भी नहीं निकाल पाती यह बहुत चिंतन का विषय है। इसलिए संयुक्त मोर्चा ने गांव गांव जाकर चिंतन सिविर लगाकर अभियान छेड़ा है इस चिंतन सिविल में किसानों के तहसील थाने और बिजली विभाग से जुड़ी हुई समस्याएं सुनी गई और संबंधित अधिकारियों को बताकर उन समस्याओं को खत्म कराया गया।

इस अवसर पर गांव में 25 लोगों की कार्यकारिणी तैयार की गई जिसका अध्यक्ष नवाब चौधरी को बनाया गया। सभा की अध्यक्षता अरुण सिद्धू ने की और सभा का संचालन इकबाल चौधरी ने किया। इस अवसर पर मौजूद रहे। जसवंत सिंह, ओम प्रकाश सिंह, अमरजीत देवल, इरशाद चौधरी, नवाब चौधरी, रघुवीर सिंह, अब्दुल रशीद, युसूफ चौधरी, साजिद मलिक, फहीम चौधरी, शराफत चौधरी फुरकान चौधरी, हरवीर सिंह, सोनू ठाकुर, दिलशाद मलिक, आदि किसान लोग मौजूद रहे।

अधिशासी अधिकारी ने अधिनस्थो के साथ की बैठक, नगर की प्रकाश व्यवस्था को लेकर की समीक्षा

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद की नगर पालिका परिषद अमरोहा के अधिशासी अधिकारी दिनेश कुमार ने आज पालिका मे नगर की पथ प्रकाश व्यवस्था को लेकर प्रकाश अनुभाग के साथ बैठक कर, पालिका द्वारा प्रदत्त नगर की प्रकाश व्यवस्था के सम्बन्ध मे समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए गए। उल्लेखनीय है की नगर पालिका परिषद अमरोहा मे अधिशासी अधिकारी का पदभार बीते दिनों ग्रहण करने के उपरांत अधिशासी अधिकारी दिनेश कुमार लगातार अधिनस्थो के साथ बैठक कर शासन की मंशानुरूप विभागीय कार्यों, योजनाओं को धरातल पर लाकर, पालिका द्वारा उपलब्ध कराई जाने वाली नगरीय सुविधाओं से समस्त नागरिकों को अच्छादित किये जाने के निर्देश दिए जा रहे हैं, इसी को लेकर पालिका अधिशासी अधिकारी द्वारा नियमित रूप से विभागीय बैठक की जा रही है। इसी के क्रम मे आज पालिका के प्रकाश अनुभाग के साथ बैठक कर पालिका द्वारा नगरीय पथ प्रकाश व्यवस्था ले अंतर्गत नगर मे स्थापित प्रकाश बिन्दुओ, लाइट्स पोल, डेकोरेटिव स्मार्ट पोल, हाईमास्ट लाइट्स, तिरंगा पोल स्ट्रीप लाइट्स आदि की जानकारी लेते हुए सम्बंधितो को निर्देश दिए गए की आज ही नगर क्षेत्र का भृमण कर यह सुनिश्चित कर लिया जाये की यदि किसी स्थान पर प्रकाश बिंदु बंद है तो उसकी सूचना दे कर उसे ालिया जाये की नगर मे रात्रि के समय कोई भी प्रकाश बिंदु बंद न रहे तथा दिन के समय कोई लाइट जलती हुई ना पायी जाये। इसके अतिरिक्त नगरीय सौन्दर्यकरण हेतु अध्यक्ष द्वारा नगर विकास मंत्री की नगर सुशोभन कार्यक्रमों से प्रेरणा ले कर नगर मे स्थापित कराये गए समस्त स्मार्ट डेकोरेटिव लाइट्स पोल के क्षतिग्रस्त होने, एक ओर झुके होने की शिकायतो की जाँच तत्काल कराते हुए उन्हें सुचारु किया जाये, नगर के समस्त वार्डो, मुख्य मार्गो, सिविल लाइन्स का नियमित निरीक्षण कर यह सुनिश्चित कर लिया जाये की यदि किसी स्थान पर प्रकाश बिंदु बंद है तो उसकी सूचना दे कर उसे तत्काल सुचारु कराया जाय। अधिशासी अधिकारी द्वारा स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं

की पालिका के सभी अनुभाग शासन की मंशा के अनुरूप समयबद्ध कार्य करें, किसी भी फरियादि को निराश करके ना लौटाया जाये, कार्यालय मे आये फरियादि की समस्या को सुन कर, नोट करके उसकी समस्या का गुणवत्ता पूर्ण निस्तारण कराया जाये। आज की बैठक मे जलकल अभियंता तपेश कुमार, हेमंत कुमार, प्रकाश निरीक्षक प्रज्वल चौहान, जावेद कमाल सहित प्रकाश अनुभाग के कार्मिक उपस्थित रहे।

जनपद में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियां शुरू, कलेक्ट्रेट सभागार में की गई बैठक

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों को लेकर महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में 21 जून को मनाए जाने वाले अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को भव्य रूप से आयोजित करने के लिए विस्तृत चर्चा की गई।जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ ने सभी संबंधित अधिकारियों को योग दिवस के सफल आयोजन के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने मुख्य कार्यक्रम स्थल, सुरक्षा व्यवस्था, योग प्रशिक्षकों की उपलब्धता, आमजन की भागीदारी और स्वच्छता व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने को कहा। साथ ही विभिन्न विभागों के बीच समन्वय बनाए रखने के निर्देश भी दिए गए।बैठक के दौरान जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ सहित सभी अधिकारियों ने सामूहिक योगाभ्यास किया। यह योग सत्र बैठक को और अधिक सार्थक बनाते हुए योग की दिनचर्या में शामिल करने का संदेश भी देता है। अधिकारी योगासन करते नजर आए, जिससे योग के प्रति उनकी प्रतिबद्धता स्पष्ट दिखाई दी।जिलाधिकारी ने कहा कि योग केवल शारीरिक स्वास्थ्य ही नहीं बल्कि मानसिक शांति का भी प्रतीक है। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को जन-जन तक पहुंचाने के लिए जिले के सभी ब्लॉकों, स्कूलों, कॉलेजों और सरकारी कार्यालयों में कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। योग दिवस को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह तैयार है और भव्य कार्यक्रम का आयोजन करने जा रहा है।

अमरोहा में निजी अस्पताल संचालकों की मनमानी,ऑपरेशन के बाद महिला की मौत

तीन दिन में महिला की मौत का दूसरा मामला

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में निजी अस्पताल संचालकों की मनमानी का नतीजा एक बार फिर से सामने आया है जहां एक निजी अस्पताल में ऑपरेशन के बाद महिला की मौत हो गई। इस मामले में गुस्साए परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन पर घोर लापरवाही का आरोप लगाते हुए मौके पर जमकर हंगामा किया। इस तरह से क्षेत्र में तीन दिनों में महिला की मौत का यह दूसरा मामला सामने आया है,जिसने स्वास्थ्य विभाग की कार्य प्रणाली पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। बता दें कि यह पूरा मामला अमरोहा देहात थाना क्षेत्र के जोया-अमरोहा मार्ग स्थित देखभाल हॉस्पिटल का है। जहां पर रजबपुर थाना क्षेत्र के गांव जागुआ खुर्द निवासी सतवीर की 32 वर्षीय पत्नी पूजा को यूट्रस में गांठ के ऑपरेशन के लिए 7 जून को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। चिकित्सकों ने 9 जून को उनका ऑपरेशन किया। परिजनों का आरोप है कि उपचार के दौरान गंभीर लापरवाही बरती गई, जिसके कारण शुक्रवार सुबह पूजा की मौत हो गई।महिला की मौत के बाद गुस्साए परिजनों ने अस्पताल परिसर में शव रखकर विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने डॉक्टरों पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की। घटना की सूचना मिलते ही अमरोहा देहात और रजबपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस बल भी बुलाया गया, जिसने परिजनों को समझाने का प्रयास किया।स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और पूरे मामले की जानकारी जुटाई। मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) रमाकांत सागर ने भी अस्पताल का दौरा किया, घटनाक्रम की जानकारी ली और जांच के आदेश दिए। सीएमओ ने कहा कि जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी और यदि लापरवाही सामने आती है तो नियमानुसार कठोर कार्रवाई होगी।

गौरतलब है कि इससे दो दिन पहले डिडौली कोतवाली क्षेत्र स्थित न्यू टोरेंट अस्पताल में भी ऑपरेशन के बाद एक महिला की मौत का मामला सामने आया था।

नवनियुक्त सीएमओ डॉ. रमाकांत सागर ने गजरौला सीएचसी का किया औचक निरीक्षण, जांची व्यवस्थाएं

सीएमओ ने अवैध क्लिनिकों पर कार्यवाही के दिए निर्देश

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के गजरौला समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में शुक्रवार को अमरोहा जनपद के नवनियुक्त सीएमओ डॉ. रमाकांत सागर ने औचक निरीक्षण किया।इस निरीक्षण के दौरान नवनियुक्त सीएमओ डॉ.रमाकांत सागर पदभार संभालने के बाद पहली बार गजरौला पहुंचे जिन्होंने अस्पताल की व्यवस्थाएं जांचीं। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि जिले में अवैध क्लिनिक ,बिना पंजीकरण के संचालित अस्पताल और अवैध पैथोलॉजी लैब का संचालन किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।इस दौरान उन्होंने चेतावनी दी कि अब स्वास्थ्य विभाग की कार्यवाही का परिणाम धरातल पर दिखाई देगा। बता दें कि निरीक्षण के दौरान डॉ.रमाकांत सागर ने सीएचसी की व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया। उन्होंने दवाई रूम का निरीक्षण कर दवाओं के स्टॉक की स्थिति जांची और एक्स-रे रूम का भी मुआयना किया। उन्होंने अस्पताल में भर्ती मरीजों और उनके तीमारदारों से सीधा संवाद कर मुफ्त दवाओं की उपलब्धता के बारे में जानकारी ली। निरीक्षण में स्वास्थ्य केंद्र की सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त पाई गईं।निरीक्षण के बाद पत्रकारों से बातचीत में सीएमओ ने बताया कि अवैध रूप से संचालित होने वाले अस्पतालों के खिलाफ जल्द ही जिलाव्यापी अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने हाल ही में सील किए गए अवैध अस्पतालों पर भी बात की और कहा कि इन सभी बंद पड़े सेंटरों की निष्पक्ष जांच कराई जाएगी। सीएमओ ने दोहराया कि जनता के स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वाले किसी भी फर्जी डॉक्टर या अवैध संस्थान को बख्शा नहीं जाएगा।सीएमओ ने गजरौला सीएचसी में सुविधाओं के विस्तार का आश्वासन भी दिया। उन्होंने कहा कि गर्भवती महिलाओं को बेहतर और सुरक्षित चिकित्सा सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। अस्पताल में डॉक्टरों की कमी को दूर करने के लिए शासन स्तर से जल्द ही नए डॉक्टरों की तैनाती का प्रयास किया जाएगा।

जनपद में चलाया गया चेकिंग अभियान, किए गए 390 चालान, चार लाख का वसूला गया जुमार्ना

मोडिफाइड साइलेंसर, फैंसी नंबर प्लेट और बिना हेल्मेट वालों पर कसा शिकंजा

अमरोहा (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव के निर्देशन में गुरुवार को यातायात पुलिस ने जिले भर में सघन चैकिंग अभियान चलाया। नियम तोड़ने वालों पर कड़ा प्रहार करते हुए पुलिस ने एक दिन में 390 वाहनों के चालान काटे और कुल 4 लाख रुपये का जुमार्ना वसूला। यातायात पुलिस ने पटाखों जैसी तेज आवाज करने वाले मोडिफाइड साइलेंसर, मानक के विरुद्ध फैंसी नंबर प्लेट, तीन सवारी, बिना हेल्मेट और वाहनों पर जातिसूचक शब्द लिखकर चलने वालों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया। अभियान के दौरान अत्यधिक गति से वाहन चलाने वाले 190 वाहन चालकों के चालान किए गए। इनसे 4 लाख रुपये का जुमार्ना वसूला गया। इसके अलावा शहर के प्रमुख चौराहों और तिराहों से अतिक्रमण भी हटवाया गया। शहर में चलने वाले ई-रिक्शा चालकों को सुरक्षा के मद्देनजर रिक्शा के दाहिनी ओर जाली लगाने के निर्देश दिए गए। वहीं अतरासी चौकी के पास पुल के नीचे ठेला-पटरी वालों द्वारा किए गए अतिक्रमण को हटाया गया। पुल के नीचे अवैध रूप से खड़े वाहनों के विरुद्ध मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कार्रवाई की गई। यातायात पुलिस ने आमजन से अपील की है कि नियमों का पालन करें। यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।

गंगा एक्सप्रेसवे अंडरपास के पास अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की मौत, साथी गंभीर घायल

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद के बहजोई क्षेत्र में गंगा एक्सप्रेसवे के लहरा वन अंडरपास के पास बृहस्पतिवार आधी रात हुए दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों में अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर पहुंची 102 एंबुलेंस ने दोनों घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) बहजोई पहुंचाया। प्राप्त जानकारी के अनुसार कार्तिक (20) पुत्र टेनी तथा बंटी (20) पुत्र रामपुरिया, दोनों निवासी चौकी पार गिहार बस्ती, बहजोई, बृहस्पतिवार रात घर से मोटरसाइकिल पर घूमने के लिए निकले थे। जब वे लहरा वन स्थित गंगा एक्सप्रेसवे के अंडरपास के पास पहुंचे, तभी किसी अज्ञात तेज रफ्तार वाहन ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों युवक गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर जा गिरे। घटना की सूचना मिलने पर 102 एंबुलेंस मौके पर पहुंची और दोनों को सीएचसी बहजोई लाया गया। अस्पताल में चिकित्सकों ने जांच के बाद कार्तिक को मृत घोषित कर दिया। वहीं गंभीर रूप से घायल बंटी की हालत नाजुक होने पर प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल संभल रेफर कर दिया गया। हालांकि परिजन उसे जिला अस्पताल ले जाने के बजाय बेहतर इलाज के लिए एक निजी अस्पताल ले गए।

हादसे की खबर मिलते ही दोनों युवकों के परिजन और मोहल्ले के लोग अस्पताल पहुंच गए। कार्तिक की मौत से परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल था। बाद में परिजनों ने कार्तिक का पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर दिया और आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करने के बाद शव को अंतिम संस्कार के लिए घर ले गए। बताया जा रहा है कि हादसा किसी अज्ञात वाहन की टक्कर से हुआ है। पुलिस घटना की जानकारी जुटाने के साथ ही अज्ञात वाहन की पहचान करने का प्रयास कर रही है। क्षेत्र में इस हादसे के बाद शोक का माहौल है।

सोशल मीडिया पर अभद्र टिप्पणियों के विरोध में सपा कार्यकताओं का प्रदर्शन

एसपी को ज्ञापन सौंपकर दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की उठाई मांग

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष की पुत्री के संबंध में सोशल मीडिया पर कथित रूप से की जा रही अभद्र एवं आपत्तिजनक टिप्पणियों के विरोध में समाजवादी पार्टी के कार्यकताओं ने पुलिस अधीक्षक सम्भल को ज्ञापन सौंपकर दोषियों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की मांग की। ज्ञापन में कहा गया कि पिछले दो दिनों से सोशल मीडिया पर कुछ अज्ञात व्यक्तियों द्वारा राष्ट्रीय अध्यक्ष की पुत्री के विरुद्ध आपत्तिजनक टिप्पणियां पोस्ट और शेयर की जा रही हैं। कार्यकताओं का आरोप है कि यह कृत्य उनकी सामाजिक एवं राजनीतिक छवि धूमिल करने के उद्देश्य से सुनियोजित तरीके से किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की पोस्ट सामाजिक सौहार्द को प्रभावित कर सकती हैं, जिससे पार्टी कार्यकताओं में भारी रोष व्याप्त है। कार्यकताओं ने मांग की कि सोशल मीडिया पर प्रसारित आपत्तिजनक एवं असत्य पोस्ट को तत्काल हटवाया जाए तथा ऐसे पोस्ट करने और उन्हें साझा करने वाले लोगों की पहचान कर उनके विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष असगर अली अंसारी,शोभित कुमार काका, विमलेश कुमारी, उमेश यादव, संजय, मदन, बलवंत सिंह, उमेश दिवाकर, राजेश कुमारी, सुमित यादव, सुभाष पाल, कृष्ण मुरारी शंखधार, सोहेल इकबाल सहित कई समाजवादी पार्टी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

गैर जनपद स्थानांतरण पर तीन क्षेत्राधिकारियों को भावभीनी विदाई

बहजोई/संभल(सब का सपना):- पुलिस लाइन बहजोई स्थित सभागार में गुरुवार को गैर जनपद स्थानांतरण पर क्षेत्राधिकारी असमोली डॉ. प्रदीप कुमार सिंह, क्षेत्राधिकारी गुन्नौर आलोक सिद्धू तथा क्षेत्राधिकारी चन्दौसी दीपक कुमार के सम्मान में गरिमामय विदाई समारोह आयोजित किया गया। समारोह में पुलिस अधीक्षक सम्भल कृष्ण कुमार, अपर पुलिस अधीक्षक (उत्तरी) कुलदीप सिंह एवं अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) कुमार रावत सहित जनपद के सभी क्षेत्राधिकारी, थाना प्रभारी एवं शाखा प्रभारी मौजूद रहे। इस अवसर पर वरिष्ठ अधिकारियों ने स्थानांतरित क्षेत्राधिकारियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया तथा जनपद सम्भल में उनके उत्कृष्ट कार्यों, अनुशासित कार्यशैली और कानून-व्यवस्था बनाए रखने में उनके योगदान की सराहना की। अधिकारियों ने उनके कार्यकाल को यादगार बताते हुए उज्ज्वल भविष्य एवं नई जिम्मेदारियों के सफल निर्वहन के लिए शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अधिकारियों और थाना प्रभारियों ने भी अपने अनुभव साझा किए तथा तीनों क्षेत्राधिकारियों के साथ बिताए गए कार्यकाल को याद करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। भावनात्मक माहौल के बीच सभी ने उन्हें नई तैनाती के लिए शुभकामनाओं के साथ विदाई दी।

नोएडा में सम्भल के जुनैद ने जीता स्वर्ण पदक, डीएम व सीडीओ ने किया सम्मानित

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश प्री-स्टेट शूटिंग चैंपियनशिप में जनपद के खिलाड़ी जुनैद ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 10 मीटर पैरा शूटिंग वर्ग में स्वर्ण पदक अपने नाम किया। उनकी इस उपलब्धि से जिले में खुशी का माहौल है। प्रतियोगिता से लौटने पर जिलाधिकारी अंकित खंडेलवाल एवं मुख्य विकास अधिकारी ने जुनैद को पदक पहनाकर सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। अधिकारियों ने कहा कि जुनैद की सफलता जिले के अन्य खिलाड़ियों के लिए प्रेरणास्रोत है तथा मेहनत और लगन से हर लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। इस अवसर पर जिला क्रीड़ा अधिकारी प्रमिला भारती एवं शूटिंग कोच मयंक कुमार भी मौजूद रहे। उन्होंने जुनैद को बधाई देते हुए भविष्य की प्रतियोगिताओं में भी इसी तरह उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जिले और प्रदेश का नाम रोशन करने की शुभकामनाएं दीं।

विधायक लक्ष्मीराज सिंह ने चलाया प्रबुद्ध जन संपर्क अभियान

सिकंदराबाद/बुलंदशहर (सब का सपना):- भारतीय जनता पार्टी के "12 वर्ष सेवा, सुशासन एवं गरीब कल्याण" अभियान के तहत सिकंदराबाद विधायक लक्ष्मीराज सिंह ने नगर में प्रबुद्ध जन संपर्क अभियान चलाकर प्रमुख व्यापारियों एवं गणमान्य नागरिकों से संवाद किया। इस दौरान उन्होंने केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं उपलब्धियों की जानकारी देते हुए पत्रक वितरित किए। विधायक ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने बीते 12 वर्षों में विकास, सुशासन और गरीब कल्याण के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की हैं। नगर की अनाज मंडी सहित विभिन्न स्थानों पर आयोजित कार्यक्रमों में विकसित भारत के संकल्प पर चर्चा की गई। इस अवसर पर भाजपा जिला महामंत्री अरविंद दीक्षित, पूर्व मंडल अध्यक्ष पिंकी बोरा, सचिन शर्मा, नवीन राजपूत, ऋषभ जैन सहित पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

महिला शक्ति संगठन ने 64वीं जरूरतमंद कन्या के विवाह में किया सहयोग

हयातनगर/सम्भल(सब का सपना):- समाज सेवा के क्षेत्र में लगातार सक्रिय महिला शक्ति संगठन, हयातनगर ने शुक्रवार को एक बार फिर मानवता और सामाजिक सरोकार का परिचय देते हुए एक जरूरतमंद कन्या के विवाह में आर्थिक सहयोग प्रदान किया। संगठन की ओर से यह 64वीं जरूरतमंद कन्या के विवाह में सहयोग किया गया, जिसे लेकर क्षेत्र में संगठन के कार्यों की सराहना हो रही है। संगठन की महिला सदस्य निर्धारित कार्यक्रम के तहत कन्या के घर पहुंचीं और परिवार को सहयोग राशि भेंट की। आर्थिक सहायता मिलने पर कन्या और उसके परिजनों की आंखें नम हो गईं। उन्होंने महिला शक्ति संगठन की पूरी टीम का हृदय से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस सहयोग ने उनकी बड़ी चिंता दूर कर दी है। परिवार ने संगठन की सभी महिलाओं के लिए सुख, समृद्धि और दीर्घायु की दुआएं कीं। इस अवसर पर महिला शक्ति संगठन की सदस्यों ने कन्या को सुखमय, समृद्ध और खुशहाल वैवाहिक जीवन का आशीर्वाद दिया। उन्होंने कहा कि बेटियों की सहायता करना केवल सामाजिक दायित्व ही नहीं, बल्कि मानवीय संवेदनाओं का भी प्रतीक है। संगठन का उद्देश्य जरूरतमंद परिवारों की मदद कर उन्हें सम्मानपूर्वक जीवन जीने में सहयोग देना है। महिला शक्ति संगठन की पदाधिकारियों ने बताया कि संगठन पिछले कई वर्षों से समाज सेवा के विभिन्न कार्यों में सक्रिय है। जरूरतमंद कन्याओं के विवाह में सहयोग, गरीब परिवारों की सहायता, महिलाओं को जागरूक करना तथा सामाजिक सेवा के अन्य कार्य लगातार किए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि भविष्य में भी संगठन इसी तरह जरूरतमंद लोगों की मदद करता रहेगा और समाज में सेवा व सहयोग की भावना को आगे बढ़ाने का प्रयास करेगा। उपस्थित सभी महिलाओं ने कन्या के उज्ज्वल भविष्य एवं सुखी दांपत्य जीवन की कामना करते हुए उसे अपना आशीर्वाद प्रदान किया।

डीएम ने औद्योगिक क्षेत्रों की व्यवस्थाओं पर की समीक्षा बैठक

बुलन्दशहर (सब का सपना):- जिलाधिकारी कुमार हर्ष की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय उद्योग बंधु की मासिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सिकंदराबाद एवं खुर्जा औद्योगिक क्षेत्रों से जुड़े उद्यमियों की समस्याओं के निस्तारण की समीक्षा करते हुए संबंधित विभागों को शीघ्र कार्रवाई के निर्देश दिए गए। डीएम ने एनएचएआई को सर्विस रोड की मरम्मत, यातायात व्यवस्था एवं रूट डायवर्जन की योजना बनाने के निर्देश दिए। वहीं विद्युत विभाग को सिकंदराबाद में ओवरहेड फुटब्रिज निर्माण में बाधक विद्युत पोल को दो दिन में स्थानांतरित करने के निर्देश दिए। बारिश के मौसम को देखते हुए नालों की सफाई एवं जलभराव रोकने के भी निर्देश दिए गए। बैठक में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिंह, सीडीओ सुश्री निशा ग्रेवाल, अपर जिलाधिकारी प्रशासन नीतीश कुमार सिंह, उपायुक्त उद्योग सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं उद्यमी उपस्थित रहें। जर्जर पोल एवं तारों का सर्वे कर आवश्यक मरम्मत कराने तथा

गजरौला पुलिस ने 2 घंटे में किया चोरी की घटना का खुलासा,दो चोरों को किया गिरफ्तार

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद की गजरौला नगर कोतवाली पुलिस ने सराहनीय कार्य करते हुए दो घंटे में चोरी की घटना का खुलासा किया है। इस मामले में पुलिस ने दो शातिर चोरों को गिरफ्तार करते हुए उनके कब्जे से शत-प्रतिशत चोरी किया हुआ माल बरामद किया है। बता दें कि गजरौला पुलिस द्वारा की गई इस त्वरित कार्यवाही को अमरोहा पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव के निर्देश अनुसार अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान अंतर्गत किया गया है। इस मामले में पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार बताया गया कि शुक्रवार को वादी मोहम्मद शादाब पुत्र लियाकत निवासी मोहल्ला सुल्तान नगर, थाना गजरौला, अमरोहा द्वारा अपनी किराए के घर से चांदी के आभूषण एवं अन्य सामान चोरी होने के संबंध में थाना गजरौला पर तहरीर प्राप्त कराई गई थी जिसके आधार पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत किया था। इस मामले में मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने त्वरित कार्यवाही करते हुए मोहम्मद बिलाल पुत्र कमालुद्दीन निवासी मोहल्ला सुल्तान नगर, थाना गजरौला, जनपद अमरोहा एवं जहीर पुत्र शरीफ निवासी मोहल्ला सुल्तान नगर, गजरौला ,अमरोहा को बसंत विहार बिजली घर के पास से गिरफ्तार किया। वहीं गिरफ्तार अभियुक्त की निशानदेही से चोरी किया गया माल जहीर के घर से बरामद किया। इसके बाद पुलिस ने चोरी के माल की बरामदगी के आधार पर मुकदमे में आवश्यक विधि कार्यवाही करते हुए संबंधित धाराओं में वृद्धि कर गिरफ्तार अभियुक्तों को न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया।

गंगा में डूबे यशपाल को एनडीआरएफ की टीम भी नहीं ढूँढ सकी, खाली हाथ लौटी

स्याना (बुलंदशहर) (सब का सपना):- भगवानपुर गंगा जी में डूबे यशपाल के की तलाश में जुटी एनडीआरएफ की टीम को पांच दिन के अथक प्रयास के बाद भी सफलता नहीं मिली। आखिरकार टीम को खाली हाथ अपने गंतव्य को लौटना पड़ा। एनडीआरएफ के जवान रविंद्र कुमार ने बताया कि टीम पांच दिनों से गंगा में डूबे मनोज व यशपाल की तलाश कर रही थी। बुधवार को मनोज का शव बसीबांगर के पास गंगाजी से बरामद कर लिया गया था।

लेकिन तमाम प्रयासों के बावजूद यशपाल को नहीं ढूंढा जा सका। समय पूरा होने पर टीम को वापस जाना पड़ा। जानकारी के मुताबिक जिला अमरोहा के थाना हसनपुर के गांव मिलक निवासी मनोज व यशपाल अपने पांच अन्य साथियों के साथ भगवानपुर गंगा घाट पर नहाने आए थे। नहाते समय मनोज व यशपाल गहरे पानी में चले गए और डूब गए। मनोज का शव तो बुधवार को मिल गया, लेकिन यशपाल का अभी तक कोई पता नहीं लग पाया है।

उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिसकर्मियों को एसपी कृष्ण कुमार ने किया सम्मानित

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- जनपद में उत्कृष्ट एवं सराहनीय कार्य करने वाले पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों का गुरुवार को पुलिस लाइन बहजोई स्थित सभागार में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार ने विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले पुलिसकर्मियों को नगद पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक ने सम्मानित पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों की कार्यशैली की सराहना करते हुए कहा कि पुलिस का दायित्व केवल कानून-व्यवस्था बनाए रखना ही नहीं, बल्कि आमजन का विश्वास जीतना और पूरी निष्ठा के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना भी है। उन्होंने कहा कि उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिसकर्मियों का सम्मान अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों को भी बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करता है। एसपी कृष्ण कुमार ने सभी सम्मानित पुलिसकर्मियों को भविष्य में भी पूरी ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा और समर्पण भाव से कार्य करते रहने के लिए प्रोत्साहित किया।

उन्होंने कहा कि जनपद में अपराध नियंत्रण, कानून-व्यवस्था सुदृढ़ बनाए रखने तथा आमजन को बेहतर पुलिस सेवा उपलब्ध कराने के लिए इसी प्रकार टीम भावना के साथ कार्य करना आवश्यक है। सम्मान प्राप्त करने वाले पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी भविष्य में और अधिक लगन एवं जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने का संकल्प व्यक्त किया। समारोह के दौरान पुलिस विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

आधी रात, मूसलाधार बारिश और मौत की धमकी: बिजनौर के व्यापारी के घर के बाहर पहुंचे चार युवक, इलाके में मचा हड़कंप

बिजनौर (सब का सपना):- शहर के नई बस्ती मोहल्ले में मंगलवार देर रात उस समय दहशत का माहौल बन गया, जब तेज बारिश के बीच दो बाइकों पर सवार चार युवक एक प्रतिष्ठित व्यापारी के घर के बाहर पहुंच गए और कथित रूप से उन्हें फोन कर गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी देने लगे। घटना से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। जानकारी के अनुसार, थाना कोतवाली शहर क्षेत्र की नई बस्ती में रहने वाले व्यापारी विनीत कुमार उर्फ लालू के घर के बाहर रात करीब 11 बजे यह घटना हुई। उस समय तेज बारिश हो रही थी। आरोप है कि दो मोटरसाइकिलों पर आए चार युवक व्यापारी के घर के सामने रुके और उन्हें फोन कर अपशब्द कहने के साथ गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी देने लगे। शोर-शराबा सुनकर आसपास के लोग अपने घरों से बाहर निकल आए। स्थानीय लोगों की भीड़ जुटती देख चारों युवक मौके से फरार हो गए। घटना के बाद क्षेत्र में भय और तनाव का माहौल बन गया। व्यापारी ने तत्काल 112 पर कॉल कर पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, घटनास्थल का निरीक्षण किया और व्यापारी के बयान दर्ज किए। मीडिया से बातचीत में व्यापारी विनीत कुमार उर्फ लालू ने आरोप लगाया कि सत्यम चौधरी, अर्जुन करनवाल और गोलू नामक व्यक्तियों सहित चार लोग पिछले कई दिनों से उनसे पैसे की मांग कर रहे थे। उनका कहना है कि पैसे न देने पर आरोपी उनके घर तक पहुंच गए और फोन पर जान से मारने की धमकी दी। उन्होंने यह भी दावा किया कि ये सभी बिजनौर शहर के निवासी हैं और उनका आपराधिक इतिहास भी है। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र रूप से आधिकारिक पुष्टि होना शेष है और इस संबंध में पुलिस जांच जारी है। व्यापारी ने पुलिस प्रशासन से अपनी और अपने परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा आरोपियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। वहीं, पुलिस का कहना है कि प्राप्त शिकायत के आधार पर मामले की जांच की जा रही है और जांच में जो तथ्य सामने आएंगे, उनके अनुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

पर्यटकों के लिए खुशखबरी, अमानगढ़ टाइगर रिजर्व अब 30 जून तक रहेगा खुला, सरकार ने बढ़ाई समय सीमा

बिजनौर (सब का सपना):- प्रकृति और वन्यजीव प्रेमियों के लिए बड़ी खुशखबरी है। उत्तर प्रदेश सरकार ने बिजनौर स्थित अमानगढ़ टाइगर रिजर्व सहित प्रदेश के सभी चार टाइगर रिजर्व में पर्यटन की समय सीमा 15 जून से बढ़ाकर 30 जून कर दी है। सरकार के इस निर्णय से पर्यटकों और वन विभाग दोनों में उत्साह का माहौल है। अब पर्यटक अतिरिक्त 15 दिनों तक अमानगढ़ के घने जंगलों और यहां की समृद्ध जैव विविधता का आनंद ले सकेंगे। हर वर्ष बड़ी संख्या में देश-विदेश से आने वाले सैलानी यहां वन्यजीवों के प्राकृतिक आवास में उन्हें देखने के लिए पहुंचते हैं। बिजनौर और आसपास के जिलों के लोग भी परिवार के साथ यहां सफारी का आनंद लेने आते हैं। अमानगढ़ टाइगर रिजर्व अपनी प्राकृतिक सुंदरता और वन्यजीव संपदा के लिए विशेष पहचान रखता है। यहां बाघ, हाथी, भालू, चीतल, हिरण सहित अनेक वन्य जीव पाए जाते हैं। इसके अलावा यह क्षेत्र किंग कोबरा जैसे दुर्लभ और अत्यंत विषैले सर्प की मौजूदगी के लिए भी जाना जाता है, जो इसकी जैव विविधता को और अधिक महत्वपूर्ण बनाता है। वन विभाग का मानना है कि समय सीमा बढ़ने से पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और अधिक संख्या में लोग अमानगढ़ की प्राकृतिक धरोहर का अनुभव कर सकेंगे। बिजनौर के प्रभागीय वनाधिकारी (डीएफओ) जय सिंह कुशवाहा ने बताया कि इस वर्ष नवंबर से अब तक लगभग 3,500 पर्यटक अमानगढ़ टाइगर रिजर्व का भ्रमण कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि पहले रिजर्व 15 जून तक पर्यटकों के लिए खुला रहता था, लेकिन इस बार सरकार द्वारा 30 जून तक संचालन की अनुमति दिए जाने से पर्यटकों की संख्या में और वृद्धि होने की उम्मीद है। सरकार के इस फैसले को पर्यटन और वन्यजीव संरक्षण के बीच संतुलन बनाते हुए पर्यटकों को अधिक अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। स्थानीय पर्यटन व्यवसाय से जुड़े लोगों को भी इससे आर्थिक लाभ मिलने की उम्मीद है।

खेत से घर लौट रहे 10 वर्षीय अक्षय को कार ने रौंदा, परिवार का बुझा चिराग

फोरलेन एक्सप्रेस-वे पर दर्दनाक हादसे में दो बहनों ने दिखाई इंसानियत लेकिन नहीं बच सकी मासूम की जान

बिजनौर (सब का सपना):- एक पल की लापरवाही ने नगीना क्षेत्र के एक परिवार से उसका चिराग छीन लिया। शुक्रवार को काशीपुर-हरिद्वार फोरलेन एक्सप्रेस-वे पर तेज रफ्तार कार ने सड़क पार कर रहे 10 वर्षीय अक्षय को जोरदार टक्कर मार दी। अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने मासूम को मृत घोषित कर दिया। घटना नगीना थाना क्षेत्र के गांव हसनअलीपुर भोगन के पास की है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक दोपहर के समय अक्षय खेत से घर लौट रहा था। सड़क पार करते समय धामपुर की ओर से तेज गति से आ रही कार ने उसे टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि मासूम कई फीट दूर जा गिरा। हादसे के बाद वहां से गुजर रहीं शिवानी और उसकी छोटी बहन ईशा ने साहस दिखाया। दोनों ने घायल अक्षय को सड़क से हटाकर ई-रिक्शा से तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। मगर नियति को कुछ और ही मंजूर था। डॉक्टरों ने जांच के बाद अक्षय को मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही परिजन अस्पताल पहुंचे। मासूम की मौत की खबर सुनते ही परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। माता-पिता का रो-रोकर बुरा हाल है। गांव में भी शोक की लहर है। थाना प्रभारी अवनीत मान पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे।

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। दुर्घटना करने वाली कार और चालक की तलाश जारी है। यह हादसा तेज रफ्तार के खतरे की भयावह तस्वीर है। विकास की रफ्तार वाली सड़क पर एक मासूम की जिंदगी थम गई। सवाल उठता है कि तेज रफ्तार पर प्रभावी नियंत्रण कब होगा? कब तक सड़कें यूं ही किसी मां की गोद सूनी करती रहेंगी?

30 जून तक लगेगा पीएम स्वनिधि लोक कल्याण मेला, बिना गारंटी मिलेगा 50 हजार तक का ऋण

बिजनौर (सब का सपना):- रेहड़ी-पटरी विक्रेताओं, ठेला संचालकों और छोटे दुकानदारों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर आत्मनिर्भर निधि (पीएम स्वनिधि) योजना के अंतर्गत जनपद बिजनौर में 30 जून 2026 तक विशेष लोक कल्याण मेले का आयोजन किया जा रहा है। यह जानकारी जिला नगरीय विकास अभिकरण (डूडा) के शहर मिशन प्रबंधक ने दी। उन्होंने बताया कि मेले का उद्देश्य छोटे व्यापारियों को बिना किसी गारंटी के आसान किस्तों पर ऋण उपलब्ध कराकर आत्मनिर्भर बनाना है। इस विशेष अभियान के दौरान लाभार्थियों को योजना की विस्तृत जानकारी दी जा रही है तथा उनके आवेदन पत्रों और आवश्यक दस्तावेजों का सत्यापन कर ऋण स्वीकृति की प्रक्रिया भी पूरी की जा रही है। योजना के अंतर्गत पात्र लाभार्थियों को चरणबद्ध रूप से ऋण प्रदान किया जाएगा। प्रथम चरण में ड्ड15,000, द्वितीय चरण में ड्ड25,000 तथा तृतीय चरण में ड्ड50,000 तक का ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। इसके अतिरिक्त समय पर ऋण चुकाने वाले लाभार्थियों को ब्याज सब्सिडी और कैशबैक जैसी सुविधाओं का लाभ भी मिलेगा। इस अवसर पर नगर पालिका चांदपुर के अधिशासी अधिकारी ने कहा कि पीएम स्वनिधि योजना छोटे व्यापारियों और स्ट्रीट वेंडर्स के जीवन स्तर को बेहतर बनाने तथा उनके व्यवसाय को नई दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। उन्होंने अधिक से अधिक पात्र लोगों से इस योजना का लाभ उठाने की अपील की। डूडा विभाग की ओर से शहर मिशन प्रबंधक ने उपस्थित लाभार्थियों को योजना से संबंधित आवश्यक जानकारी प्रदान की तथा आवेदन प्रक्रिया में हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि यह योजना छोटे उद्यमियों को आत्मनिर्भर भारत के अभियान से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

स्योहारा में चिन्हित होंगे सड़क दुर्घटनाओं के 'ब्लैक स्पॉट', सीओ धामपुर ने दिए निर्देश

बिजनौर (सब का सपना):- क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद करने और कानून व्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए प्रशासनिक अमला पूरी तरह मुस्तैद नजर आ रहा है। इसी कड़ी में धामपुर सर्किल के नए पुलिस क्षेत्राधिकारी अंजनी कुमार चतुर्वेदी ने स्योहारा का दौरा किया। शुक्रवार को उन्होंने स्थानीय पत्रकारों के साथ एक शिष्टाचार वार्ता की और सभी से परिचय प्राप्त किया। मूल रूप से प्रयागराज के रहने वाले अंजनी कुमार चतुर्वेदी 2014 बैच के पीपीएस (PPS) अधिकारी हैं। वर्ष 2015 में उत्तर प्रदेश पुलिस में उपाधीक्षक के रूप में सेवा शुरू करने वाले अंजनी कुमार चतुर्वेदी को कार्यप्रणाली में पारदर्शिता और कड़क प्रशासनिक रवैये के लिए जाना जाता है। जुलाई 2024 में बिजनौर जिले में आमद के बाद से वे क्षेत्राधिकारी के रूप में लगातार क्षेत्र की कानून व्यवस्था को सुदृढ़ कर रहे हैं। शुक्रवार को हुई इस विशेष वार्ता के दौरान सीओ धामपुर ने स्योहारा के पत्रकारों से परिचय लेते हुए लोकतंत्र के चौथे स्तंभ की भूमिका को सराहा और क्षेत्र के विभिन्न सुरक्षा मुद्दों पर चर्चा की। पत्रकारों से वार्ता के ठीक बाद क्षेत्राधिकारी अंजनी कुमार चतुर्वेदी ने स्योहारा थाना प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार के साथ समीक्षा बैठक की और क्षेत्र की सुरक्षा को लेकर कड़े दिशा-निर्देश जारी किए। सीओ ने मुख्य रूप से निर्देशित किया कि सड़कों पर तेज रफ्तार में दौड़ने वाली और मॉडिफाइड साइलेंसर से फायरिंग या पटाखे जैसी आवाज निकालने वाले मोटरसाइकिल चालकों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। इसके साथ ही उन्होंने स्योहारा क्षेत्र के अंतर्गत सड़क दुर्घटनाओं वाले संवेदनशील स्पॉट्स को चिन्हित करने के आदेश दिए ताकि हादसों पर लगाम लगाई जा सके। यातायात व्यवस्था और सुरक्षा को मजबूत करने के लिए सीओ ने प्रभारी निरीक्षक को निर्देश दिए कि क्षेत्र के सभी मैरिज हॉल संचालकों को अपने परिसर में पार्किंग की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने और सुरक्षा के मद्देनजर सीसीटीवी कैमरे अनिवार्य रूप से चौबीसों घंटे चालू रखने के लिए पाबंद किया जाए। सीओ धामपुर के इस कड़े रुख और सख्त हिदायत के बाद स्योहारा पुलिस पूरी तरह से अलर्ट मोड पर आ गई है।

दिव्यांगों और मजलूमों के अधिकारों की लड़ाई हर हाल में जारी रहेगी:- एमआर पाशा

तहसीलों और थानों में रिश्वतखोरी व पक्षपात का किया विरोध, दिव्यांगों के लिए बेहतर सुविधाओं की उठाई मांग

बिजनौर (सब का सपना):- राष्ट्रीय विकलांग एसोसिएशन के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष एमआर पाशा ने कहा है कि दिव्यांगों, मजलूमों और गरीब वर्ग के अधिकारों की रक्षा के लिए उनका संघर्ष हर हाल में जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि तहसीलों, थानों तथा अन्य सरकारी कार्यालयों में कथित रिश्वतखोरी और पक्षपात के खिलाफ भी आवाज उठाई जाती रहेगी, चाहे इसके लिए उन्हें कोई भी कुबार्नी क्यों न देनी पड़े। उन्होंने आरोप लगाया कि कई स्थानों पर सरकारी अधिकारी और कर्मचारी आम जनता की समस्याओं का गंभीरता से समाधान नहीं करते और उन्हें अपेक्षित सम्मान भी नहीं मिलता। उनका कहना था कि विशेष रूप से दिव्यांग, गरीब और वंचित वर्ग के लोगों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए बार-बार कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ते हैं। एमआर पाशा ने कहा कि दिव्यांगजन जब अपनी समस्याएं लेकर सरकारी दफ्तरों में पहुंचते हैं, तो कई बार उनकी बात सुनने के बजाय केवल प्रार्थना-पत्र लेकर उन्हें वापस भेज दिया जाता है। उन्होंने कहा कि प्रशासन को इस वर्ग के प्रति अधिक संवेदनशील और जवाबदेह होना चाहिए। उन्होंने मांग की कि पात्र दिव्यांगों को प्रधानमंत्री आवास योजना का शत-प्रतिशत लाभ सुनिश्चित किया जाए तथा उन्हें कम से कम ड्ड5,000 प्रतिमाह पेंशन प्रदान की जाए। साथ ही उन्होंने सरकारी नौकरियों में दिव्यांगों को आरक्षण के प्रभावी क्रियान्वयन और उच्च प्रशासनिक पदों पर उनकी भागीदारी बढ़ाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। उनका कहना था कि निर्णय लेने वाले पदों पर दिव्यांग प्रतिनिधित्व बढ़ने से उनकी समस्याओं का अधिक सहानुभूतिपूर्ण समाधान संभव होगा। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कुछ विभागों में भ्रष्टाचार के कारण जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ वास्तविक पात्र लोगों तक पूरी तरह नहीं पहुंच पा रहा है। उन्होंने प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से अपील की कि वे दिव्यांगों, विधवाओं, बुजुर्गों और गरीबों की समस्याओं के समाधान के लिए प्रभावी और पारदर्शी व्यवस्था सुनिश्चित करें।

शौचालय केयरटेकर संगठन के कार्यकताओं ने समस्याओं को लेकर डीएम को सौंपा ज्ञापन

बिजनौर (सब का सपना):- सामुदायिक शौचालय केयरटेकर संगठन के सदस्यों ने कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया। सैकड़ों की संख्या में जुटे केयरटेकरों ने अपने रुके हुए मानदेय और साफ-सफाई सामग्री के भुगतान की मांग को लेकर जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। प्रदर्शनकारियों ने बताया कि सामुदायिक शौचालयों में कार्यरत केयरटेकरों को लंबे समय से मासिक मानदेय का भुगतान नहीं हुआ है। इस कारण उन्हें और उनके परिवारों को आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया कि शौचालयों की साफ-सफाई सामग्री के लिए प्रतिमाह 3000 रुपये की धनराशि ग्राम पंचायत द्वारा स्वयं सहायता समूह के खाते में भेजी जाती है। यह राशि सीधे केयरटेकरों को प्राप्त नहीं होती, जिससे उन्हें सामग्री खरीदने और रखरखाव में परेशानी होती है। केयरटेकरों ने मांग की है कि उनका लंबित मानदेय तुरंत जारी किया जाए। इसके अतिरिक्त, साफ-सफाई सामग्री की धनराशि भी सीधे केयरटेकरों को भुगतान की जाए ताकि वे अपने कर्तव्यों का निर्वहन सुचारु रूप से कर सकें।

अखिलेश यादव से मिले सपा के सम्भावित प्रत्याशी हरेन्द्र चौधरी शिकारपुर के विकास पर हुई विशेष चर्चा

शिकारपुर/बुलंदशहर (सब का सपना):- विधानसभा क्षेत्र से समाजवादी पार्टी के सम्भावित प्रत्याशी हरेन्द्र चौधरी, ने लखनऊ स्थित पार्टी कार्यालय में सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव, से शिष्टाचार मुलाकात की, इस विशेष मुलाकात के दौरान उन्होंने राष्ट्रीय अध्यक्ष से हाथ मिलाकर क्षेत्र की राजनीतिक स्थिति और विकास कार्यों पर विस्तृत चर्चा की। मुलाकात के दौरान हरेन्द्र चौधरी, के साथ मुख्य रूप से संजीव तोमर डरूया वाले मौजूद रहे। शीर्ष नेतृत्व से मिलने के बाद कार्यकताओं में भारी उत्साह देखने को मिल रहा है। मीडिया से बात करते हुए सम्भावित प्रत्याशी हरेन्द्र चौधरी, ने कहा कि उत्तर प्रदेश के विकास के लिए अखिलेश यादव, का विजन हम हम सभी समाजवादी लोग एकजुट होकर इस विजन को जमीनी स्तर तक हर घर और हर गरीब तक पहुंचाने का काम करेंग। हरेन्द्र चौधरी ने आगे कहा कि उनका मुख्य उद्देश्य शिकारपुर विधानसभा क्षेत्र की समस्याओं को दूर करना और इसे विकास की दौड़ में आगे ले जाना है उन्होंने संकल्प जताया कि वे और उनके साथी मिलकर शिकारपुर व पूरे उत्तर प्रदेश को मजबूती से आगे बढ़ाने के लिए पूरी ताकत से काम करेंगे। इस मुलाकात के बाद क्षेत्र के सपा कार्यकताओं और समर्थकों ने खुशी जाहिर की है और आगामी चुनावों के लिए अपनी तैयारियां तेज कर दी है ।

ठाकुरद्वारा रोड पर देर रात हुआ हादसा, एक युवक के हाथ में फ्रैक्चर, पुलिस ने पहुंचाया अस्पताल

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के थाना स्योहारा क्षेत्र में गुरुवार देर रात एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराने के बाद सड़क पर पलट गई। हादसे में कार सवार चार लोग घायल हो गए, जिनमें एक युवक की हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और राहगीरों की भीड़ एकत्र हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार ठाकुरद्वारा रोड पर रात करीब 10 बजे कार नवादा चुंगी से फव्वारा चौक की ओर जा रही थी। इसी दौरान अचानक सामने आए एक बाइक सवार को बचाने के प्रयास में चालक कार से नियंत्रण खो बैठा। कार पहले डिवाइडर से टकराई और फिर सड़क पर पलट गई। हादसे की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी संजय कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस और स्थानीय लोगों ने मिलकर कार में फंसे घायलों को बाहर निकाला और उपचार के लिए अस्पताल भेजा। इसके साथ ही सड़क पर बाधित यातायात को भी सुचारु कराया गया। हादसे में घायल हुए लोगों की पहचान अल्ताफ पुत्र अकबर, शान, मंकीन और अनवर निवासी नई सराय, शेरकोट के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि एक युवक के हाथ में फ्रैक्चर हुआ है, जबकि अन्य को हल्की चोटें आई हैं। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि कार जिस तरह पलटी, उससे बड़ा हादसा हो सकता था। राहत की बात यह रही कि समय पर बचाव कार्य शुरू होने से कोई जनहानि नहीं हुई।

राय बहादुर की समाधि जगमगायेगी हाई मास्ट लाइट से

औरंगाबाद/ बुलंदशहर (सब का सपना):- अमर सिंह महाविद्यालय लखावटी के संस्थापक रायबहादुर स्वर्गीय चौधरी अमर सिंह की समाधि पर अब हाई मास्ट लाइट लगाई जाएगी। सपा के राज्यसभा सांसद प्रोफेसर रामगोपाल यादव ने इस कार्य के लिए दो लाख पिचहतर हजार रुपए स्वीकृत किए हैं। अमर सिंह महाविद्यालय लखावटी परिसर स्थित कालेज संस्थापक रायबहादुर चौधरी अमर सिंह की समाधि पर लगने वाली हाई मास्ट लाइट 16 मीटर ऊंची बारह लाइटों युक्त होगी। जिसके लगने से समाधि जगमग होगी साथ ही समूचे महाविद्यालय परिसर में प्रकाश की उत्तम व्यवस्था संभव हो सकेगी। प्रोफेसर रामगोपाल यादव ने 11 जून को पत्र लिखकर जिलाधिकारी बुलंदशहर को अपनी सांसद निधि से धनराशि उपलब्ध कराई है। जानकारी रायबहादुर परिवार के भवतोष चौधरी ने देते हुए प्रोफेसर रामगोपाल यादव का आभार व्यक्त किया है।

'प्रधानमंत्री मोदी के विकसित भारत मिशन से दिल्ली में आया बदलाव', सीएम रेखा गुप्ता ने गिनाईं उपलब्धियां

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत का मिशन प्रत्येक राज्य और प्रत्येक नागरिक का मिशन बन गया है। प्रधानमंत्री ने विगत 12 वर्षों में शासन और सेवा की नई परिभाषा दी। पहले वैश्विक मंच पर सिर्फ अपनी उपस्थिति दर्ज कराता था। आज वैश्विक मामलों को प्रभावित करता है। प्रेसवार्ता में उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिल्ली को विकास से जोड़ा है। पूर्व की सरकारों ने दिल्ली की समस्याओं का समाधान नहीं किया। प्रधानमंत्री मोदी के सहयोग से समस्याओं का समाधान हो रहा है। दिल्ली का विकास हो रहा है। अमृत 2 योजना के अंतर्गत झुग्गी बस्तियों में सीवर सुविधा और एसटीपी के लिए तीन हजार करोड़ दिए हैं। कूड़े का निस्तारण के लिए 15 सौ करोड़ मिले स्वच्छ भारत मिशन के तहत कूड़े का निस्तारण के लिए 15 सौ करोड़ मिले हैं। इससे कूड़े के पहाड़ हटाए जा रहे हैं। इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए 821 करोड़ का फंड पिछले वर्ष मिला है। इस वर्ष इसमें और वृद्धि होगी। दिल्ली में मेट्रो का विस्तार लगभग पांच सौ किलोमीटर होने वाला है। 180 किलोमीटर का काम चल रहा है। पिछले 12 वर्षों में सवा लाख करोड़ रुपये सड़क परियोजनाओं के लिए मिला है। यूईआर 2, द्वारका एक्सप्रेसवे, ईस्टर्न और वेस्टर्न एक्सप्रेसवे, मेरठ एक्सप्रेसवे आदि का निर्माण होने से दिल्ली में जाम की समस्या दूर होने के साथ ही पर्यावरण संरक्षण में मदद

मिल रही है। दिल्ली एयरपोर्ट की क्षमता बढ़ाने के लिए 12 हजार करोड़ का निवेश किया गया है। भारत मंडपम, यशो भूमि, आंबेडकर इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर बनाए गए। 43 हजार लोगों का आयुष्मान भारत के अंतर्गत निःशुल्क उपचार केंद्र से दिल्ली को 4550 इलेक्ट्रिक बसें मिली। 361 बसों की मंजूरी मिल चुकी है। पीएम स्वनिधि योजना के तहत दो लाख रेहड़ी पटरी वालों को ऋण। दिल्ली पिछले एक साल में 43 हजार लोगों का आयुष्मान भारत के अंतर्गत निःशुल्क उपचार मिल सका है। दिल्ली में 1511 अनधिकृत कालोनियों को नियमित किया गया है। ईज आफ डूइंग बिजनेस के लिए लाइसेंसिंग प्रक्रिया को सरल किया गया है। 8700 रूफटॉप सोलर पैनल लगाए गए हैं। बेटियों में सर्विकल कैंसर रोकने के लिए टीकाकरण। समग्र शिक्षा योजना का लाभ दिल्ली को मिल रहा है। नए केंद्रीय विद्यालय को मंजूरी। नमामि योजना के अंतर्गत जल बोर्ड को 12 सौ करोड़ दिए गए हैं। वायु प्रदूषण के समाधान और यमुना की सफाई के लिए पड़ोसी राज्यों का सहयोग जरूरी। प्रधानमंत्री के निर्देश पर समन्वय समिति बनाई गई है। उन्होंने कहा कि देश में शहरी यातायात में विस्तार किया जा रहा है। इसके अंतर्गत 26 शहरों में मेट्रो सेवा शुरू हो गई है। उड़ान योजना से आम नागरिक हवाई यात्रा कर रहा है और 164 एयरपोर्ट बन गए हैं। भारत ग्लोबल निर्माण हब बन रहा है।सेमी कंडक्टर 1.64 लाख करोड़ का निवेश हुआ है। उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु में डिफेंस कॉरिडोर बनाया गया उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु में डिफेंस कारिडोर बनाया गया और 100 देशों में रक्षा उपकरण निर्यात हो रहा है। दो लाख से अधिक स्टार्टअप शुरू हुए है। युवा नौकरी मांगने वाले की जगह नौकरी देने वाले बन रहे हैं। विकास के साथ ही विरासत का संरक्षण किया जा रहा है। वाराणसी काशी विश्वनाथ, उज्जैन महाकाल कोरिडोर और बाबा वैद्यनाथ धाम का विकास किया गया। पिछले 12 वर्षों में 25 लाख से अधिक लोगों को गरीबी रेखा से बाहर लाया गया। सौर ऊर्जा के क्षेत्र में अभूतपूर्व काम हुआ।

साइबर अपराधी ने बैंक खाते से 80 हजार उड़ाए

शिकारपुर/बुलंदशहर (सब का सपना):- अहमदगढ़ थाना क्षेत्र के गांव असरौली निवासी एक व्यक्ति के खाते से साइबर अपराधी ने 80 हजार रुपए उड़ा लिए। संसार कुमार पुत्र राजपाल सिंह ने पुलिस में दी तहरीर में कहा है कि उसका खाता बैंक ऑफ बड़ौदा में है। अज्ञात व्यक्ति द्वारा उसके मोबाइल नंबर को हैक करके तीन बार में 80 हजार रुपए निकाल लिए गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

एसएल इंटर कॉलेज में विज्ञान संकाय खोलने की उठी मांग, शासन से मंजूरी की अपील

खानपुर/बुलंदशहर (सब का सपना):- क्षेत्र के एसएल इंटर कॉलेज में विज्ञान संकाय शुरू कराने की मांग को लेकर क्षेत्रवासी एकजुट हो गए हैं। भाजपा नेता मो. सुलेमान के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश शासन और माध्यमिक शिक्षा विभाग से विज्ञान संकाय की स्वीकृति देने की अपील की गई है। व्यापारी नेता कुलदीप गर्ग, समाजसेवी अर्पित गौड़ और इंजीनियर इजहार सैफी ने कहा कि विज्ञान संकाय शुरू होने से गरीब और दूरदराज के विद्यार्थियों, विशेषकर बेटियों को लाभ मिलेगा तथा उन्हें डॉक्टर और इंजीनियर बनने का बेहतर अवसर प्राप्त होगा। क्षेत्रवासियों ने इस जनहित की मांग को शीघ्र मंजूरी देने की मांग की है।

अभिनेता सलमान खान ने की फिल्म काला हिरण पर रोक लगाने की मांग, दिल्ली एचसी में आज होगी सुनवाई

नई दिल्ली। अभिनेता सलमान खान ने प्रस्तावित फिल्म काला हिरण को लेकर दिल्ली हाईकोर्ट का रुख किया है। उन्होंने इस फिल्म के निर्माण और प्रदर्शन पर रोक लगाने की मांग करते हुए कहा है कि यह फिल्म उनके व्यक्तित्व अधिकारों का उल्लंघन करती है और उनके जीवन से जुड़ी घटनाओं को गलत तरीके से प्रस्तुत करती है। मामले की अजी आज दिल्ली हाईकोर्ट में मेंशन की गई, जिसके बाद अदालत ने इस याचिका पर तत्काल सुनवाई करने पर सहमति जताई है। यह सुनवाई न्यायमूर्ति नीना बंसल कृष्णा की अदालत में सूचीबद्ध है। मामले की गंभीरता को देखते हुए अदालत अब इस पर विस्तृत सुनवाई करेगी कि क्या फिल्म के निर्माण या रिलीज पर अंतरिम रोक लगाई जानी चाहिए या नहीं। यह मामला फिलहाल दिल्ली हाईकोर्ट दिल्ली हाई कोर्ट में विचाराधीन है और आगे की सुनवाई पर सभी की नजरें टिकी हुई हैं।

मीनाक्षी नटराजन के नामांकन रद होने पर दिल्ली में कांग्रेस का प्रदर्शन, जीतू पटवारी समेत हिरासत में कई नेता

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश के सीनियर कांग्रेस नेताओं और विधायकों ने शुक्रवार को दिल्ली में 'सत्याग्रह' विरोध प्रदर्शन शुरू किया। राज्यसभा के लिए मीनाक्षी नटराजन का नॉमिनेशन रद होने से कांग्रेस नेताओं में नाराजगी है। इस कदम को लोकतंत्र पर हमला बताते हुए वे विरोध करने के लिए दिल्ली में डेरा डाले हुए हैं। वे जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे हैं, जहां पुलिस ने कई नेताओं और विधायकों को हिरासत में ले लिया है। इस बीच, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मिलने का अनुरोध करने के बावजूद उनसे मुलाकात न हो पाने पर कांग्रेस नेताओं ने नाराजगी जताई है। विपक्ष

के नेता उमंग सिंघार के नेतृत्व में मध्य प्रदेश कांग्रेस विधायक दल दिल्ली पहुंचा है। विरोध प्रदर्शन को देखते हुए दिल्ली पुलिस के जवानों को तैनात किया गया है। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को जगह से बाहर जाने से रोकने के लिए जंतर-मंतर पर बैरिकेड्स लगा दिए हैं। यह समूह राष्ट्रपति भवन तक मार्च करने की तैयारी कर रहा था, लेकिन पुलिस ने कई नेताओं को हिरासत में ले लिया है। वहीं, जंतर-मंतर पर कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन के दौरान, मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी की पुलिस के साथ तीखी बहस हुई, जो उन्हें हिरासत में लेने की कोशिश कर रही थी। आखिरकार उन्हें खींचकर पुलिस बस में डाला गया और हिरासत में ले लिया गया। कांग्रेस नेता मीनाक्षी नटराजन का राज्यसभा नामांकन रद होने के बाद से कांग्रेस नेता विरोध प्रदर्शन जारी हैं। मीनाक्षी नटराजन का नॉमिनेशन रद होने के विरोध में कांग्रेस के 'सत्याग्रह' प्रदर्शन में मध्य प्रदेश विधानसभा में विपक्ष के नेता उमंग सिंघार ने कहा, "वह देश की राष्ट्रपति हैं, न कि किसी पार्टी की। जिस तरह से उन्होंने यह कदम उठाया, उससे साफ है कि वह बीजेपी के एजेंट के तौर पर काम कर रही हैं। क्या राष्ट्रपति लोकतंत्र को बचाना नहीं चाहतीं?"

विकास गर्ग से जुड़े मामलों की सुनवाई स्थगित, प्रधान जिला न्यायाधीश ने मांगी रिपोर्ट

नई दिल्ली। तीह हजारी स्थित प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश (पीडीजे) की अदालत ने विकास गर्ग और उनसे संबद्ध कंपनियों से जुड़े मामलों में महत्वपूर्ण अंतरिम आदेश पारित करते हुए तीस हजारी स्थित न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी (जेएमएफसी-01) की अदालत में लंबित कार्यवाही पर रोक लगा दी है। अदालत ने संबंधित ट्रांसफर याचिकाओं पर अंतिम निर्णय होने तक मामलों में आगे की सुनवाई स्थगित रखने का निर्देश दिया है। विकास गर्ग और उनसे जुड़ी कंपनियों की ओर से दायर ट्रांसफर याचिकाओं में कहा गया था कि जिन परिस्थितियों में विभिन्न कार्यवाहियां ट्रायल कोर्ट में संचालित की जा रही हैं, उनसे निष्पक्ष सुनवाई को लेकर आशंकाएं उत्पन्न हुई हैं। याचिकाकताओं का कहना था कि मामलों को एक मंच पर स्थानांतरित कर समेकित रूप से सुना जाना न्यायहित में होगा और इससे मामलों के प्रभावी एवं त्वरित निस्तारण में भी सहायता मिलेगी। याचिकाओं में यह भी उल्लेख किया गया कि विकास गर्ग और संबंधित कंपनियों से जुड़े मामलों को बार-बार एक ही ट्रायल कोर्ट के समक्ष सूचीबद्ध किया जा रहा है, जिससे उनके मन में निष्पक्षता को लेकर आशंका उत्पन्न हुई है। इसी आधार पर उन्होंने मामलों के स्थानांतरण की मांग की थी। मामले की सुनवाई के बाद प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने नोटिस जारी करते हुए ट्रायल कोर्ट का पूरा रिकार्ड तलब किया है। साथ ही संबंधित पीठासीन अधिकारी को सीलबंद लिफाफे में अपनी टिप्पणियां और उपस्थिति दर्ज कराने के लिए कहा गया है। अदालत ने ट्रांसफर याचिकाओं पर विचार लंबित रहने तक ट्रायल कोर्ट में सभी आगे की कार्यवाहियों पर रोक लगा दी है।

सीबीएसई सत्यापन पोर्टल फिर से खोलने पर तत्काल निर्देश जारी करने से दिल्ली हाई कोर्ट का इनकार

नई दिल्ली। 12वीं कक्षा के छात्रों की उत्तर पुस्तिकाओं के पुनर्मूल्यांकन के लिए केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) का सत्यापन पोर्टल फिर से खोलने के संबंध में कोई भी तत्काल निर्देश जारी करने से दिल्ली हाई कोर्ट ने शुक्रवार को इनकार कर दिया। सीबीएसई द्वारा शुरू किए गए ऑन-स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) व्यवस्था में बड़े पैमाने पर गड़बड़ियों और कमियों के खिलाफ एनएसयूआइ की याचिका पर न्यायमूर्ति नीना बंसल कृष्णा व न्यायमूर्ति मधु जैन की अवकाश पीठ ने कहा कि अगर यह मांग मान ली गई तो छात्रों के अंतिम परिणाम में देरी होगी। परीक्षा में शामिल होने वाले 17.8 लाख छात्रों पर असर पड़ेगा साथ ही पीठ ने यह भी कहा कि इस संबंध में छात्र व्यक्तिगत रूप से सीबीएसई से संपर्क करें। अदालत ने उक्त आदेश तब दिया जब सीबीएसई की तरफ से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल (एसजी) तुषार मेहता ने कोर्ट में कहा कि ऐसा निर्देश जारी करने से परीक्षा में शामिल होने वाले 17.8 लाख छात्रों पर असर पड़ेगा, क्योंकि उनके नतीजे में देरी हो सकती है। उन्होंने कहा कि छात्रों के अंडरग्रेजुएट एडमिशन में रुकावट आ सकती है।

फेल होने पर न छोड़ें पढ़ाई... शिक्षा निदेशालय का आदेश, दिल्ली में स्कूली बच्चों के लिए नया नियम

नई दिल्ली। स्कूल छोड़ने वाले छात्रों की बढ़ती संख्या पर रोक लगाने के लिए दिल्ली सरकार ने सरकारी स्कूलों को विशेष निर्देश जारी किए हैं। शिक्षा निदेशालय ने नौवीं में एक से अधिक बार असफल या कंपार्टमेंट आने वाले छात्रों की पहचान कर उनकी और उनके अभिभावकों की काउंसलिंग करने को कहा है। इसका उद्देश्य ऐसे छात्रों को पढ़ाई से जुड़ा रखना और उन्हें शिक्षा व्यवस्था से बाहर होने से बचाना है। नौवीं के कंपार्टमेंट परीक्षा परिणाम घोषित होने के बाद स्कूल प्रधानाचार्यों को निर्देश दिया गया है कि वे जोखिम वाले छात्रों और उनके परिवारों से व्यक्तिगत रूप से संपर्क करें। स्कूल प्रधानाचार्यों को छात्रों

और अभिभावकों को बैठक के लिए आमंत्रित कर सहयोगात्मक और सकारात्मक माहौल में चर्चा करने को कहा गया है, ताकि छात्र अपनी पढ़ाई जारी रखने के लिए प्रेरित हों। शिक्षा निदेशालय ने स्पष्ट किया है कि इन बैठकों का मुख्य उद्देश्य काउंसलिंग होना चाहिए। स्कूलों को छात्रों को यह समझाने के लिए कहा गया है कि स्कूली शिक्षा पूरी करने से भविष्य में रोजगार और उच्च शिक्षा के बेहतर अवसर मिल सकते हैं। विभाग का मानना है कि उचित मार्गदर्शन और प्रेरणा के अभाव में कई छात्र पढ़ाई बीच में छोड़ देते हैं। यदि कोई छात्र या उसका परिवार नियमित स्कूल प्रणाली में पढ़ाई जारी रखने के इच्छुक नहीं हैं, तो उन्हें वैकल्पिक शिक्षा व्यवस्था के बारे में जानकारी दी जाएगी। विशेष रूप से राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान (एनआइओएस) के विकल्प पर जोर दिया गया है। एनआइओएस के माध्यम से छात्र सीधे 10वीं में प्रवेश ले सकते हैं, अपनी क्षमता और रुचि के अनुसार विषय चुन सकते हैं व अपनी गति से पढ़ाई कर सकते हैं, जिससे शैक्षणिक दबाव कम होता है। शिक्षा विभाग ने यह भी स्पष्ट किया है कि एनआइओएस से 10वीं उत्तीर्ण करने वाले छात्र अपने मूल सरकारी स्कूल में 11वीं में प्रवेश पाने के पात्र रहेंगे। विभाग का मानना है कि इस पहल से अधिक से अधिक छात्र शिक्षा प्रणाली से जुड़े रहेंगे और ड्रापआउट दर में कमी आएगी।

मालवीय नगर में पुलिस मुठभेड़: दो शातिर बदमाश गोली लगने से घायल, एम्स में भर्ती

नई दिल्ली। दक्षिण दिल्ली के मालवीय नगर इलाके में स्थित अरविंदो कॉलेज के पास देर रात दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच और बदमाशों के बीच एक भीषण मुठभेड़ हो गई। इस क्रॉस-फायरिंग में पुलिस की गोली लगने से दो बदमाश गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। दोनों के दाएं पैर में गोली लगी है, जिसके बाद उन्हें इलाज के लिए एम्स में भर्ती कराया गया है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, क्राइम ब्रांच को देर रात एक पुख्ता सूचना मिली थी कि उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद (लोनी) के रहने वाले दो शातिर बदमाश, जिनकी पहचान गोपाल और सौरभ के रूप में हुई है, मालवीय नगर इलाके में किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में घूम रहे हैं।सूचना मिलते ही क्राइम ब्रांच की टीम ने अरविंदो कॉलेज के पास जाल बिछाया। सरेंडर करने के बजाय चलाई गोली जैसे ही दोनों बदमाशों ने खुद को पुलिस से घिरा हुआ पाया, उन्होंने आत्मसमर्पण करने के बजाय भागने की कोशिश की। पुलिस द्वारा रोकने पर बदमाशों ने टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई और में पुलिस ने भी गोलियां चलाईं, जो दोनों बदमाशों के दाएं पैर में जा लगीं। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि बदमाशों ने पुलिस को देखते ही बचकर भागने का प्रयास किया और गोलियां चलाईं। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में दोनों घायल हुए हैं। फिलहाल दोनों खतरे से बाहर हैं और एम्स में उनका इलाज चल रहा है। पुलिस ने बदमाशों के पास से हथियार बरामद किए हैं और मामले की आगे की जांच शुरू कर दी है।

फेल होने पर न छोड़ें पढ़ाई... शिक्षा निदेशालय का आदेश, दिल्ली में स्कूली बच्चों के लिए नया नियम

पूर्वी दिल्ली। फर्जी मैरिज एजेंसी संचालित करके लोगों से ठगी करने वाले गिरोह के मास्टरमाइंड को गिरफ्तार किया है। आरोपित पिछले करीब पांच वर्षों से कई राज्यों में फर्जी काल सेंटर चलाकर लोगों को शादी कराने का झांसा देकर ठग रहा था। आरोपित की पहचान प्रदीप के रूप में हुई है। जिला पुलिस उपायुक्त आरपी मीणा ने बताया कि एक महिला ने अक्टूबर 2025 में पुलिस को सूचना दी कि फेसबुक पर विवाह संबंधी सेवाओं का विज्ञापन देखने के बाद उसने संपर्क किया। आरोपितों ने शादी कराने का भरोसा दिलाकर उससे विभिन्न शुल्कों के नाम पर करीब 81 हजार रुपये एक क्यूआर कोड के माध्यम से ट्रांसफर करा लिए। बाद में उसे ठगी का एहसास

हुआ। जांच के दौरान पुलिस ने ठगी की रकम की पड़ताल करते हुए एक बैंक खाते तक पहुंच गई। यह खाता शालिनी शिवरे के नाम पर था। इस खाते के जरिये पुलिस राजकुमारी तक पहुंची। जो ग्वालियर में एक काल सेंटर संचालित करती मिली। उसने पुलिस को बताया की सेंटर का वास्तविक संचालक प्रदीप सिंह करता है। इसके बाद इंस्पेक्टर विजय कुमार, एसएचओ साइबर थाना शाहदरा के नेतृत्व में एसआई सुनील देव सिवाहग, हेड कांस्टेबल रवि और हेड कांस्टेबल संदीप की टीम ने ग्वालियर में छापेमारी कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने खुलासा किया कि उसने ग्वालियर, गुना, अयोध्या और आजमगढ़ में करीब 14 फर्जी कॉल सेंटर स्थापित कर रखे थे। यहां कर्मचारियों को मैट्रिमोनियल सेवाओं के नाम पर लोगों को फंसाने और रजिस्ट्रेशन, प्रोफाइल एक्टिवेशन व अन्य शुल्क वसूलने का प्रशिक्षण दिया जाता था। आरोपी जानबूझकर 5,000 से 10,000 रुपये तक की अपेक्षाकृत छोटी रकम ठगता था ताकि पीड़ित पुलिस में शिकायत करने से बचें। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से मोबाइल फोन, सिम कार्ड और अन्य डिजिटल साक्ष्य बरामद किए हैं। अब तक गिरोह से जुड़ी आठ संदिग्ध वित्तीय ट्रांजैक्शन का पता चला है। मामले में आगे की जांच जारी है।

दिल्ली के जगतपुरी में गरजा एमसीडी का बुलडोजर, अवैध निर्माण और अतिक्रमण को किया गया ध्वस्त

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम ने पूर्वी दिल्ली के जगतपुरी इलाके में अनधिकृत निमार्णों और अतिक्रमणों के खिलाफ बड़ा डेमोलिशन अभियान शुरू कर दिया है। निगम की टीम ने सुबह से ही क्षेत्र में बुलडोजर चलाकर अवैध ढांचों को गिराना शुरू किया। इस कार्रवाई में कई दुकानें, मकान के अतिरिक्त हिस्से और सड़क पर कब्जे वाले अतिक्रमण ध्वस्त कर दिए गए। एमसीडी अधिकारियों ने बताया कि यह ड्राइव अदालती निदेर्शों और नगर निगम नियमों के अनुपालन में किया जा रहा है। दुकानदारों ने नोटिस न मिलने का लगाया आरोप स्थानीय लोगों में इस कार्रवाई को लेकर मिश्रित प्रतिक्रियाएं देखी जा रही हैं। कुछ लोगों ने इसे जरूरी सफाई अभियान बताया तो वहीं प्रभावित दुकानदारों और निवासियों ने नोटिस न मिलने का आरोप लगाया। एमसीडी ने स्पष्ट किया कि अवैध निमार्णों पर पहले भी नोटिस जारी किए गए थे और अब सख्ती से नियमों का पालन सुनिश्चित किया जाएगा। अभियान जारी है और अगले कुछ दिनों में और भी क्षेत्रों में इसे विस्तार देने की तैयारी है।

भाजपा से कांग्रेस तक का सफर, जसपाल राणा ने राजनीति में भी आजमाया हाथ; फिर भी नहीं चमकी किस्मत

नई दिल्ली। भारतीय निशानेबाजी के प्रसिद्ध कोच जसपाल राणा ने राजनीति में भी अपनी किस्मत आजमाई थी। 2006 एशियाई खेलों के तुरंत बाद वे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए और 2009 के लोकसभा चुनाव में उत्तराखंड की टिहरी सीट से चुनाव लड़ा। हालांकि, उन्हें कांग्रेस उम्मीदवार विजय बहुगुणा के हाथों हार का सामना करना पड़ा। 2012 में भाजपा से विधानसभा टिकट न मिलने के बाद राणा ने कांग्रेस का दामन थाम लिया। कांग्रेस में शामिल होने के बाद जसपाल राणा को 2012 के उत्तराखंड विधानसभा चुनावों में पार्टी का स्टार प्रचारक बनाया गया। हरीश रावत के नेतृत्व वाली सरकार में उन्हें एक छोटी भूमिका भी सौंपी गई। 2017 के विधानसभा चुनावों के दौरान भी उन्होंने पार्टी के लिए प्रचार कार्य जारी रखा। हालांकि, सक्रिय राजनीति से दूरी बनाते हुए वे बाद में खेल और प्रशिक्षण की ओर लौट आए। उनके मार्गदर्शन में कई निशानेबाज अंतरराष्ट्रीय पटल पर चमके एक दशक से अधिक समय तक जसपाल

राणा ने भारतीय निशानेबाजी की नई पीढ़ी को तराशने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनके मार्गदर्शन में कई प्रतिभाशाली निशानेबाज अंतरराष्ट्रीय पटल पर चमके। खासतौर पर मनु भाकर, सौरभ चौधरी और अनीश भानवाला जैसे खिलाड़ियों ने उनके कोचिंग में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए अनेक अंतरराष्ट्रीय पदक जीते। भारतीय निशानेबाजी में प्रतिभाओं को पहचानने और उन्हें निखारने वाले सबसे सफल कोचों में जसपाल राणा का नाम प्रमुखता से लिया जाता है। उनकी कोचिंग शैली और अनुभव ने न सिर्फ व्यक्तिगत खिलाड़ियों को बेहतर बनाया, बल्कि देश की निशानेबाजी व्यवस्था को भी नई दिशा दी। प्रमुख तथ्य - जन्म : 28 जून 1976, भाल गांव, जौनपुर ब्लाक, टिहरी गढ़वाल (उत्तराखंड) - पिता : नारायण सिंह राणा (पूर्व बीएसएफ अधिकारी, पूर्व मंत्री) - माता : श्यामा राणा, जो स्वयं राज्य स्तरीय निशानेबाज थीं। भाई-बहन : सुभाष राणा और सुश्मा राणा, दोनों निशानेबाजी से जुड़े रहे। शुरूआती प्रशिक्षण : पिता नारायण सिंह राणा से शिक्षा स्कूली शिक्षा : केंद्रीय विद्यालय (केवी) एयर फोर्स स्टेशन, तुगलकाबाद, नई दिल्ली। उच्च शिक्षा : सेंट स्टीफंस कॉलेज व श्री अरबिंदो कॉलेज डीयू राष्ट्रीय पदार्पण : 12 वर्ष की उम्र में 31वीं राष्ट्रीय शूटिंग चैंपियनशिप, अहमदाबाद बड़ी उपलब्धि : 1994 विश्व शूटिंग चैंपियनशिप (जूनियर) में स्टैंडर्ड पिस्टल स्पर्धा का स्वर्ण पदक एशियाई खेलों में सफलता

जब तक पूरे ना हों फेरे सात...

हाथ की 'रिंग फिंगर' में पहली वो चमक आपको उत्साह और खुशी से भर देती है। थोड़ी झिझक और एक-दूसरे के साथ ज्यादा से ज्यादा समय बिताने की ललक कई बार आपको खुद की ओर से लापरवाह कर देती है। इसी लापरवाही में अनजाने ही आप खुद को नुकसान पहुँचा बैठती हैं। रखिए ख्याल कुछ बातों का जब सगाई के बाद हो शादी का इंतजार।

सुषमा ने अभी ऑफिस पहुँचकर अपना बैग रखा ही था कि रिसेप्शनिस्ट ने उसकी केबिन में फोन ट्रांसफर किया। इतनी सुबह मेरा फोन... सुषमा को थोड़ा आश्चर्य हुआ, क्योंकि उसके काम का नेचर पब्लिक डीलिंग वाला नहीं था। मगर हैलो कहते ही वह खुशी के साथ रोमांच में डूब गई। दो दिन पहले सुषमा की अमर से सगाई हुई थी। फोन अमर का ही था जो चाह रहा था कि सुषमा आज दफ्तर से छुट्टी ले ले और दोनों डेटिंग के लिए बाहर जाएँ। आइडिया बुरा नहीं था मगर सुषमा का जॉब ऑफ नेचर ऐसा था जिसमें उसके पास काफी जिम्मेदारियाँ थीं। नतीजतन वह ऐसा नहीं कर सकती थी और अगर ऐसा करती भी तो अमर की आदत पड़ जाती। जो कि सुषमा नहीं चाहती थी क्योंकि अभी शादी होने में लगभग पूरा साल बाकी था।

मगर सुषमा जैसी सजग लड़कियाँ कम होती हैं। लड़के आमतौर पर इस सबको होशियारी से मैनेज कर लेते हैं और लड़कियाँ संकोच में रहती हैं। माना की सगाई, शादी के रास्ते का गेटवे है लेकिन पूरी शादी नहीं है। इसलिए सगाई के बाद भी अपने कामकाज की सजगता और संवेदनशीलता से कोई समझौता नहीं करना चाहिए और न ही आँख मूँद कर सामने वाले पर विश्वास जिससे कि किसी तरह की समस्या का सामना करना पड़े। याद रखें सगाई घर-परिवार और समाज से मिली मान्यताभर होती है। तो इस आजादी का दुरुपयोग न करें। सगाई के बाद अनुशासित

रहें, सजग रहें और अपने व्यवहार को कुछ इस तरह की शेप दें।

- अक्सर लड़कियाँ सगाई के बाद डेटिंग पर जाने में हिचकिचाती नहीं हैं। भावी पति के बारे में ज्यादा से ज्यादा जानने के लिए उसके साथ डेटिंग पर चली जाती हैं। यही नहीं परिस्थितिवश वे मर्यादा भूल कर मंगेतर की हर इच्छा पूर्ति को भी आतुर हो जाती हैं। जो कई बार उनकी जिंदगी क लिए बेहद महँगा सौदा बन जाता है।
- सगाई के बाद मंगेतर के बुलाने पर कहीं जाने को झट से न तैयार हो जाएँ। जाएँ मगर तमाम बातों, खासतौर पर अपनी सुरक्षा को लेकर आश्वस्त हो जाने के बाद।
- अगर जाना ही पड़े तो घर में किसी न किसी को अवश्य बता कर जाएँ कि जा कहाँ रही हैं।
- किसी अनजान और सुनसान जगह पर कभी न जाएँ। अँधेरा होने तक घर जरूर लौट आएँ।
- गाड़ी में बैठें तो शीशे कभी पूरे न चढ़ाएँ।
- डिस्को व क्लब में रात को देर तक न जाएँ और पब की ओर तो कदापि रुख न करें। ड्रिंक न करें।
- अपने अन्य युवक मित्रों से परिचय को ज्यादा उतावली होने का प्रयास न करें। हँसी-मजाक सीमा से बाहर न करें।

जाना ही पड़े तो-

- किसी अच्छे से पार्क या रेस्तराँ में बैठें। दिन के वक्त ही मिलें। शिष्टता बनाए रखें।
- चरित्र के मामले में अपनी दृढ़ता बनाए रखें। चरित्र के मामले में केवल एक परिभाषा तक सीमित न रहें। झूठ बोलना, कुछ छुपाना, धोखा देना यह भी चरित्रहीनता ही है। इसे सामने वाले पर भी लागू करें। रीति-रिवाजों को सम्मानजनक शब्दों में परिभाषित करें।
- आपसी समझदारी की बातें करें। करियर या समाज संबंधी बातें ही करें।

...स्माइल प्लीज

कई लोगों को यह शिकायत रहती है कि उनके फोटो अच्छे नहीं आते। यह सही है कि हर व्यक्ति का चेहरा कैमरे के लिहाज से परफेक्ट नहीं हो सकता या हर कोई फोटोजेनिक फेस वाला नहीं हो सकता लेकिन अगर आप कुछ बातों का खयाल रखें तो आपकी तस्वीर भी अच्छी आ सकती है।-

- आपका चेहरा ऑइली नहीं होना चाहिए। कॉम्पेक्ट का इस्तेमाल करके चमक को हटा लीजिए। साथ ही कॉम्पेक्ट या पावडर को हल्के हाथों से उन स्थानों पर सफाई के साथ लगाएँ जहाँ चेहरे के रंग में अंतर दिखता हो।
- आप आँखों को हाईलाइट करने के लिए काजल और मस्कारा चुन सकती हैं लेकिन यह याद रखें कि सामान्य फोटो के लिए बहुत ज्यादा नाटकीय मेकअप की जरूरत नहीं होती। यही बात लिपिस्टिक लगाते समय भी ध्यान में रखें। चाहें तो होठों पर चमकीला ग्लॉस लगा सकती हैं।
- फोटो में स्लिम नजर आना चाहती हैं तो काले या गहरे रंग के कपड़े पहनें। हल्के रंग के या ज्यादा ढीले कपड़े आपके शरीर को बढ़-चढ़ाकर ज्यादा वजन का दिखाते हैं। इसलिए कोशिश करें कि आपके कपड़े अच्छी फिटिंग के और गहरे रंग के हों।
- हालाँकि आजकल मॉडलिंग के हिसाब से पोर्टफोलियो बनवाने वाली दुकानें थोक के भाव खुल गई हैं लेकिन आप भरोसा उसी पर करें जो इस क्षेत्र में अनुभव रखता हो। कहीं से भी पोर्टफोलियो बनवाने में आपके पैसे भी फिजूल खर्च होंगे और काम भी नहीं बनेगा।
- कभी भी किसी सेलिब्रिटी या फिल्म की देखा-देखी फोटो सेशन न करवाएँ। सबसे पहली बात तो यह कि हर व्यक्ति के चेहरे की बनावट तथा शारीरिक कोणों में विभिन्नाता होती है। यह कतई जरूरी नहीं कि माधुरी दीक्षित जैसा पोज आप पर भी जम ही जाए। इसलिए

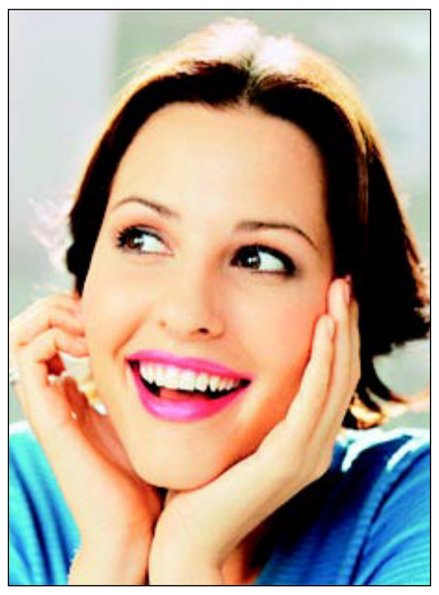

इस मामले में जिद छोड़ फोटोग्राफर की बात मानें। उसे अच्छे से मालूम होता है कि किस चेहरे पर कैसा काम करना है।

- चाहे आपने बहुत महँगे कपड़े पहन रखें हों लेकिन जरूरी नहीं कि फेटो के लिहाज से भी वे ठीक ही हों। अत: इस मामले में भी फेटोग्राफर से एक राय जरूर लें।
- मेकअप कम से कम करें।
- एक साथ बहुत सारे जेवर न पहन डालें।
- स्टुडियो के लिए निकलने से ठीक पहले ब्रश से दाँत साफ करें ताकि आपकी मुस्कान आपकी तरह ही स्पेशल हो।

चॉकलेटी अखरोट कुकीज

सामग्री- मैदा एक कप, शकर (पिसी) 1/2 कप, क्रीम 1/2 कप, मक्खन 1 टी स्पून, बेकिंग पावडर 1/2 छोटा चम्मच, बारीक चॉकलेट एक टेबल स्पून, किशमिश एक बड़ा चम्मच, लाल हरी केक पिल्स (गोलियाँ), अखरोट (बारीक कतरे)।

विधि- मैदा और बैंकिंग पावडर मिलाकर छानें तथा क्रीम, शकर और मक्खन फेटें। इसमें मैदा तथा अन्य सामग्री मिलाकर गूँथ लें। आधा घंटे फ्रिज में रखने के बाद मोटा बेलकर गोल कुकीज काट लें। काँटे से गोदने के बाद माइक्रोवेव में 180 डिग्री सेंटीग्रेड पर 15 मिनट तक बेक करें। ठंडा करके पेश करें।

छोटी मगर काम की बातें

- जरी वाली साड़ी की जरी को काला होने से बचाने के लिए अपनी अलमारी में या अटैची में अजवाइन की एक छोटी पोटली बांध कर रख दें।
- फटी एड़ियों से छुटकारा पाने के लिए कच्चे आम को उबालिए। ठंडा हो जाए तो उसके गूदे को फटी एड़ियों पर रगड़ें।
- आलू तलने से पहले उसमें हल्का-सा सूखा मैदा छिड़कें। आलू अधिक खस्ता बनेंगे।
- चमड़े के पर्स या बैल्ट को नई लुक देने के लिए घर के अंधेरे कोनों में हल्दी पाऊडर छिड़क दें।
- नहाने से पूर्व पानी की बाल्टी में दो चम्मच नारियल का तेल डालें। त्वचा पर अनोखी चमक महसूस करेंगे।
- अंडों को जल्दी उबालने के लिए अंडों को प्रैशर कुकर में उबालें।

चेहरे को बनाएं हसीन

त्वचा यदि रूखी और बेजान हो, तो तीखे नाक-नक्स भी अपनी सुंदरता खो देते हैं। त्वचा मुलायम और चमकदार कैसे नजर आए? इसके लिए निम्न विधियों का उपयोग करें-

एल्फा हाइड्रोप्सी एसिड

इस तकनीक में हर महिला की स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकता की पूरी जानकारी ली जाती है। कई बार हारमोन्स के विकार, नींद की कमी या मानसिक तनाव भी त्वचा को प्रभावित करते हैं।

प्राय: खाने-पीने की गलत आदतों से भी त्वचा को नुकसान पहुंचता है। अत: अपने भोजन, भोजन करने के तरीके एवं समय को भी ध्यान में रखना जरूरी है।

अतिरिक्त खनिज पदार्थ, विटामिन तथा प्रोटीन त्वचा के लिए जरूरी हैं।

एल्फा हाइड्रोप्सी एसिड तकनीक में फलों के एसिड (लवणों) द्वारा उपचार होता है। इस विधि में मृतप्राय त्वचा की सफाई होती है, जिससे त्वचा फिर से खिल उठती है।

इससे त्वचा पर पड़ी झुर्रियां भी सरलता से दूर की जा सकती हैं।

यदि इस विधि का प्रयोग नियमित रूप से या कम से कम महीने में एक बार करवाया जाए, तो निश्चय ही आपकी त्वचा चमक उठेगी।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेंष चू चे चो ला ली लू ले लो आ

कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होंगी। कुछ भ्रामक धारणाओं का खंडन होगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-5-6-9

वृष इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। शुभांक-2-6-8

मिथुन का की कू घ ङ छ के को हा

यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान की कोशिश करेगा। शुभांक-4-7-9

कर्क ही हू हे हो डा डी डू डे डो

लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। परिश्रम से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। इच्छित कार्य सफल होंगें। शुभांक-1-3-5

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे

दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा। शुभांक-2-6-8

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

विवाद समाप्त होंगे। शुभ संदेशों से मन खिला-खिला रहेगा। परेशानीयां स्वत: ही दूर होती प्रतीत होगी। अध्ययन में रुचि पैदा होगी। अभिभावकों के प्रति उत्तरदायित्व निभाने होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करे। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। शुभांक-3-7-8

तुला रा री रु रे रो ता ती तू ते

शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। शुभांक-3-5-7

वृश्चिक तो ना नी नू ने नो य यी यू

आवेश में आना आपके हित में नही होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। विपरीत परीस्थितियों में भी हानि नहीं होगी। शुभांक-5-6-8

धनु ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-2-6-8

मकर मे जा जी खी खू खे खो गा गी

समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक-4-6-7

कुंभ गू गे गो सा सी सू से सो दा

मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-3-5-8

मीन दी दू थ झ ञ द दो चा ची

जीवनसाथी अथवा दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-2-5-7

काकुरो पहेली - 3916

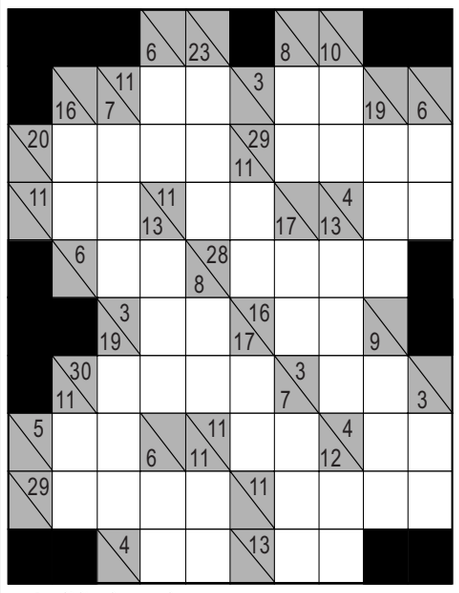

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

काकुरो - 3915 का हल

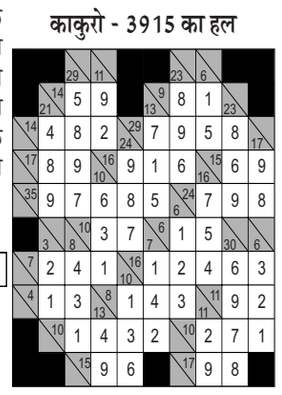

हंसी के फव्वारें

एक सेठ अपने बेटे को कॉलेज में नाम लिखवाने आये.

'सेठजी आप लेट हो गए हैं, अब तो कोई भी सीट खाली नहीं है.' प्रधानाचार्य ने कहा.

सेठजी ने कहा-आप चिन्ता न करें, मेरे बेटे का नाम लिख लें. सीट मैं नयी बनवा दूँगा.

□ □ □

'कुँवारे व्यक्ति को तुम स्वार्थी क्यों कहती हो ?' पहली फिल्म अभिनेत्री ने दूसरी फिल्म अभिनेत्री से पूछा.

दूसरी अभिनेत्री ने कारण बताया, 'क्योंकि कुँवारा व्यक्ति किसी महिला को तलाक का अवसर नहीं देता.'

□ □ □

विवाह के कुछ दिन बाद पति-पत्नी में लड़ाई हो गयी. पत्नी बोली, 'मैं मायके जा रही हूँ, अब नहीं आऊँगी.'

पति शांत रहा. उसने जेब में हाथ डाला और उसे रुपये देकर बोला, 'यह लो ट्रेन का किराया.'

पत्नी ने रुपये गिने और बोली, 'ट्रेन की वापसी का किराया कौन देगा ?'

□ □ □

युवती-किसी ने सत्य ही कहा है कि जिसे शक्ल मिलती है उसे अक्ल नहीं मिलती.

युवक-इसलिए तो मैंने तुमसे प्रेम किया है.

फिल्म वर्ग पहेली- 3916

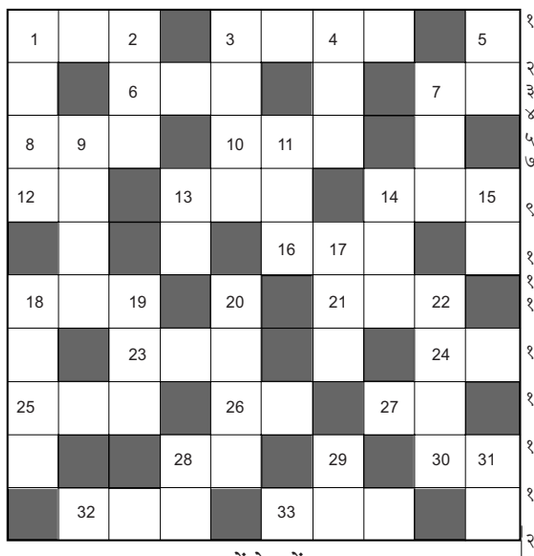

बायें से दायें:-

१. 'दिल से तुझको बेदिली' गीत वाली दिलीपकुमार, मीना की फिल्म-३
३. राजेश खन्ना, डिम्पल की 'जब दर्द नहीं था सीने' गीत वाली फिल्म-४
६. संजय दत्त, नम्रता की फिल्म-३
७. संजीव, सुचित्रा की 'तेरे बिना जिंदगी से कोई' गीत वाली फिल्म-२
८. 'आया है मुझे फिर' गीत वाली धर्मेन्द्र, शर्मिला की फिल्म-३
१०. 'हुन हुना रे हुन' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'हंसाती है रूलाती' गीत वाली तुषार, ग्रेसी, अमृता की फिल्म-२
१३. संजीवकुमार, राखी की 'तेरे आँखों के दो' गीत वाली फिल्म-३
१४. फिल्म 'निकाह' में दीपक और राज बब्बर के साथ नायिका कौन थी-३
१६. अनिल, पूनम की 'मिली तेरे प्यार की' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'दिल क्यों धड़कता है' गीत वाली राहुल राय, पूजा भट्ट की फिल्म-३
२१. तुषार कपूर, अंतरा की फिल्म-३
२३. 'आपका खत मिला' गीत वाली जितेंद्र, रामेश्वरी की फिल्म-३
२४. अभिषेक, अंतरा की 'आवारा मन में' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'ये दुनिया वाले' गीत वाली देव आनंद, आशा पारेख की फिल्म-३
२६. 'सुन जरा सोनिये सुन' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'मैं कुड़ी अनजानी' गीत वाली सनी, सुष्मिता पटेल की फिल्म-२
२८. सुनील शेट्टी, सोमी की 'दिल मेरा यहाँ' गीत वाली फिल्म-२
३०. मनोजवाजपेई, उर्मिला की फिल्म-२
३२. देवानंद, नूतन की 'हम तो जानी प्यार करेगा' गीत वाली फिल्म-३
३३. 'जाने क्या पिलाय' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. जीतेंद्र, जीनत की 'मेरी उमर का एक लड़का' गीत वाली फिल्म-२,२
२. अमिताभ, शशि, परवीन, नीतू की फिल्म-३
३. 'चलो बुलावा आया' गीत वाली फिल्म-४
४. 'कोई मिल गया' में ऋतिक का नाम था-३
५. 'चल चमेली बाग में' गीत वाली फिल्म-२
७. 'भोर भये पंछी धुन' गीत वाली राजेश खन्ना, रेखा की फिल्म-३
९. सचिन, सुचेता की 'झुमका कजरा बिंदिया गजरा' गीत वाली फिल्म-४
११. ऋषि, चंकी, नीलम की फिल्म-३
१३. राजकपूर डबल रोल, नर्गिस की फिल्म-२
१४. 'जिंदगी ये पल, ये पल जिंदगी' गीत वाली सुष्मिता, सुशांत की फिल्म-३
१५. धर्मेन्द्र वाली 'जब याद किसी की आती है' की नायिका कौन थी ?-२
१७. 'ना ये जमीं थी ना आसमां था' गीत वाली विश्वजीत, राजश्री की फिल्म-३
१८. देव आनंद, हेमा की 'इलाहाबाद में पैदा हुई' गीत वाली फिल्म-४
१९. दिलीप कुमार, अनिल कपूर, रति की फिल्म-३
२०. प्रदीपकुमार, नर्गिस की फिल्म-४
२२. 'बाजूबंद खुल खुल जाये' गीत वाली फिल्म-४
२८. अब्बास, शर्बाणी की 'सिर्फ संडे को करती हूँ मैं तो प्यार' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'याईला रे लड़की' गीत वाली फिल्म-२
३१. 'कोरे कागज पे लिखवाले' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3915

बै	ग	ग		स	ड़	क		आ	
जू		ज	ल्ला	द		स	सु	ग	ल
बा	द	ल		मा	लि	क		ध	
व			बा		बा		बे	ना	म
ग	जा	बा	बू		स	रि	ता		हा
	ल	व		बे			ब	से	ग
इ		चीं		खु	हा	र			जा
क	र्ज		शा	दी		ख	ली	फा	
बा		गै	र		दा	वा			द
ल	ज्जा		दा	ग		ला	वा	रि	स

सूडोकु -3916

9		2		4	1	7		
1						6		
5	7	3	2				4	
				9	4	8		
4		7				9		6
		5	8	3				
	3				6	5	9	1
		6						7
		9	1	8		2		4

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3915 का हल

5	4	9	1	8	3	2	6	7
1	2	6	4	9	7	3	5	8
3	8	7	5	2	6	1	4	9
8	7	1	3	4	2	6	9	5
9	5	3	6	1	8	7	2	4
2	6	4	7	5	9	8	1	3
4	3	5	2	7	1	9	8	6
6	9	2	8	3	4	5	7	1
7	1	8	9	6	5	4	3	2

शब्द पहेली - 3916

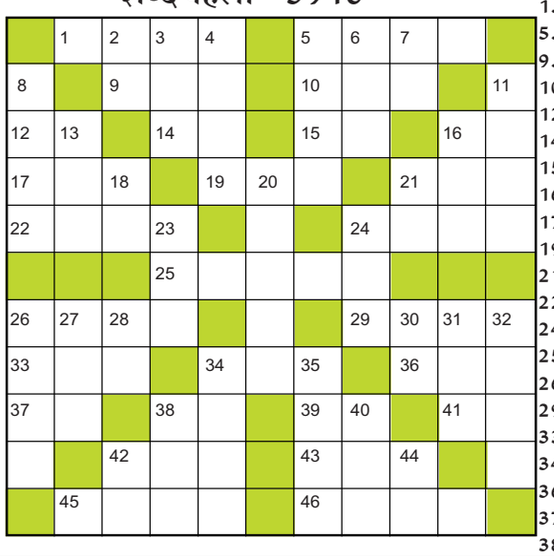

बाएँ से दाएँ

1. मूर्ख,बेवकूफ (उर्दू-4)
5. संपत्ति-4
9. कटि,पीठ -3
10. प्रणाम,नमस्कार-3
12. अधीन-2
14. पितामह-2
15. कार्य-2
16. पराजय-2
17. अच्छे कुल का-3
19. तरंग,हिलोर-3
21. एक प्रकार की दाल-3
22. ओस,रजनी जल(उर्दू-4)
24. गगन,आकाश-4
25. स्वच्छ करना-5
26. आश्चर्यजनक-4
29. जो लायक न हो-4
33. उल्टी,कै-3
34. रनिवास,जनवासा-3
36. पंक्ति,लाइन-3
37. सुर,लय,आलाप-2
38. दंड,शिक्षा-2
39. पराजय-2
41. झुका हुआ -2
42. कर्म,भाग्य-3
43. भार-3
45. भूल,गलती (उर्दू-4)
46. भाग्य,नसीब-4

ऊपर से नीचे

2. अधिकार-2
3. मां का दुलार-3
4. ताली की आवाज-4
5. अनुभवी-4
6. जुड़वा-3
7. दक्षिणा-2
8. राम के पुत्र-2,2
11. अभिलाषा,-4
13. क्रूस,सूली-3
16. पाचनशक्ति-3
18. ईसाई साध्वी-2
20. जीवनसाथी -5
21. गरबा,नृत्य-2
23. मालिश-3
24. दर्पण,शीशा-3
26. ईश्वर-4
27. बाग,गुलिस्तां-3
28. क्रिकेट में बनते हैं-2
30. दुलारा,पुत्र-2
31. भरोसा,विश्वास-3
32. करामात-4
34. शेविंग करना-4
35. हाथी साधने वाला-4
38. आसान,सीधा-3
40. कपड़े धोने वाला-3
42. बलगम-2
44. सरिता-2

शब्द पहेली -3915 का हल

	ज	हा	ल	त			नि	ड	र
क	प		क्ष्य		आ	स	रा		मा
ल			ही	र	क		ला		हि
प	रा	धी	न	ता		द		अ	सु
ना		र		लु	ट	मा	र		रै
	सा	ज						सा	या
	व		फि	त	र	त		ह	
का	न	न		ल		न	क	ब	ज
फि			व		शा	य	र		
र	वा		च	म	न		त		श
	द	म	न			रो	ब	दा	र

इंडियन आइडल की जज बनीं नेहा कक्कड़

बॉलीवुड की लोकप्रिय गायिका नेहा कक्कड़ आज देश की सबसे चर्चित सिंगर्स में गिनी जाती हैं, लेकिन एक समय ऐसा भी था, जब उन्हें पहचान बनाने के लिए लंबा संघर्ष करना पड़ा। उनकी जिंदगी का सबसे दिलचस्प पहलू यह है कि जिस रियलिटी शो में वह एक कंटेस्टेंट के रूप में हिस्सा लेकर बाहर हो गई थीं, बाद में उसी शो में जज की कुर्सी तक पहुंचीं। नेहा कक्कड़ का परिवार एक छोटे से किराए के घर में रहता था। संगीत से जुड़े माहौल में पली-बढ़ीं नेहा को बचपन से ही गाने का शौक था। उनकी बड़ी बहन सोनू कक्कड़ और भाई टोनी कक्कड़ भी संगीत से जुड़े रहे हैं। महज चार साल की उम्र में नेहा ने धार्मिक आयोजनों और जागरणों में गाना शुरू कर दिया था। छोटी उम्र में ही वह परिवार के साथ मंच पर भजन गाती थीं। धीरे-धीरे उनका आत्मविश्वास बढ़ता गया और उन्होंने गायकी को ही अपना भविष्य बनाने का फैसला किया। बेहतर अवसरों की तलाश में परिवार दिल्ली आया और बाद में नेहा अपने भाई टोनी कक्कड़ के साथ मुंबई पहुंच गईं। यहां उन्हें कई बार निराशा का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। साल 2005 में नेहा ने 'इंडियन आइडल' में हिस्सा लिया, लेकिन वह आगे नहीं बढ़ सकीं और शुरुआती दौर में ही बाहर हो गईं। उस समय शायद ही किसी ने सोचा होगा कि यही लड़की एक दिन उसी मंच पर जज बनकर बैठेगी।

शो से बाहर होने के बाद नेहा ने छोटे-बड़े कई प्रोजेक्ट्स में काम किया। साल 2008 में उनका पहला म्यूजिक एल्बम 'नेहा द रॉकस्टार' रिलीज हुआ। इसी दौरान उन्होंने फिल्म 'मीराबाई नॉट आउट' में कोरस सिंगिंग की। इसके बाद उन्हें कई फिल्मों और म्यूजिक प्रोजेक्ट्स में काम मिलने लगा। फिल्म 'कॉकटेल' का गाना 'सेकंड हैंड जवानी' उनके करियर का बड़ा मोड़ साबित हुआ। इस गाने ने उन्हें देशभर में पहचान दिलाई। इसके बाद सफलता का सिलसिला लगातार आगे बढ़ता गया। 'लंदन ठुमकदा', 'सनी सनी', 'काला चश्मा', 'दिलबर' और 'आंख मारे' जैसे गानों ने उन्हें बॉलीवुड की सबसे लोकप्रिय आवाजों में शामिल कर दिया। उनकी गायकी को देश ही नहीं, विदेशों में भी पसंद किया जाने लगा। सोशल मीडिया और यूट्यूब पर भी उनकी बड़ी फैन फॉलोइंग बनी। नेहा को उसी 'इंडियन आइडल' में जज बनने का मौका मिला, जहां कभी वह कंटेस्टेंट के रूप में बाहर हो गई थीं। उन्होंने कई सीजन में जज की भूमिका निभाई और नए प्रतिभाशाली गायकों को मार्गदर्शन दिया।

तापसी पन्नू को नहीं मिल रहे खास तरह के रोल

शाहरुख को लेकर कहा

तापसी पन्नू ने हाल ही में एक अहम मुद्दे पर बात की है। वह महिला कलाकारों के साथ हो रहे भेदभाव का जिक्र करती हैं। खुद भी वह ऐसी ही चुनौती का सामना कर रही हैं। तापसी का कहना है कि बढ़ती उम्र के कारण उन्हें कुछ खास तरह के किरदार ऑफर ही नहीं हो रहे हैं, मेकर्स को लगता है कि वो ऐसे किरदारों के लिए बड़ी हैं।

सिनेमा इंडस्ट्री में होता है उम्र को लेकर भेदभाव

हालिया इंटरव्यू में तापसी पन्नू कहती हैं, 'जब तक आप इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाते हैं, तब तक आप 30 साल के हो चुके होते हैं। फिर वे कहते हैं कि आप रोमांटिक-कॉमेडी में काम करने के लिए उतने यंग नहीं हैं। लेकिन मेल एक्टर्स के मामले में ऐसा नहीं होता है। इंडस्ट्री में उम्र को लेकर भेदभाव एक बड़ी बात है।'

तापसी पन्नू करियर फ्रंट पर क्या कर रही हैं?

तापसी पन्नू की हाल ही में एक फिल्म 'अस्सी' रिलीज हुई, इसमें उन्होंने एक वकील का रोल किया। यह फिल्म दुष्कर्म जैसे जघन्य अपराध को लेकर एक बड़ी बहस छेड़ती है। तापसी पन्नू 'वो लड़की है कहां' और 'गांधारी' जैसी फिल्मों में भी नजर आएंगी।

शाहरुख का दिया उदाहरण

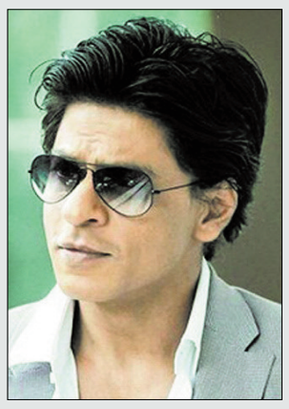

आगे तापसी पन्नू कहती हैं, 'साउथ में भी मेरे साथ ऐसा होता था। जैसे ही मुझे किसी सीनियर एक्टर के अपोजिट कास्ट किया जाता, यंग एक्टर मेरे साथ काम नहीं करना चाहते थे।' तापसी फिर बॉलीवुड का जिक्र करते हुए कहती हैं, 'शाहरुख खान के बारे में तो आप ऐसी बात कहने की हिम्मत भी नहीं कर सकते हैं।' इस तरह तापसी ने जाहिर किया दिया कि उम्र को लेकर भेदभाव सिर्फ एक्ट्रेसेस के साथ होता है, मेल एक्टर्स के करियर पर उम्र बढ़ने का कोई असर नहीं होता है।

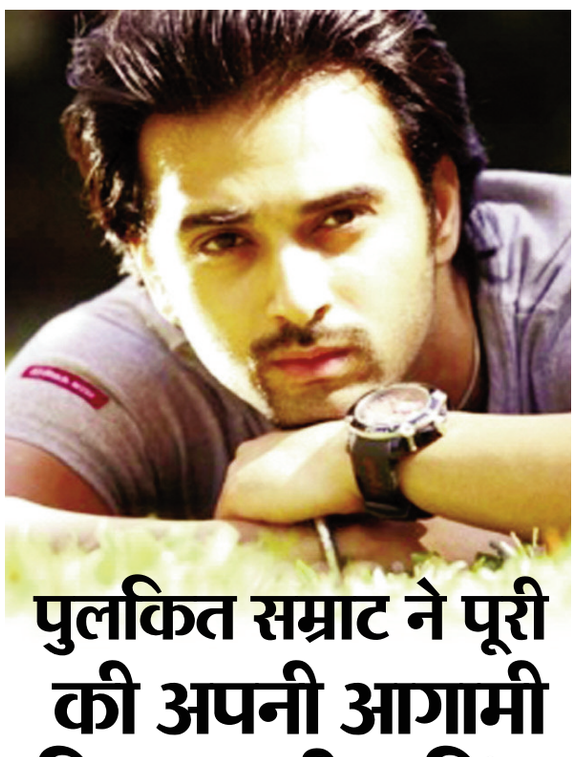

पुलकित सम्राट ने पूरी की अपनी आगामी फिल्म की शूटिंग

अभिनेता पुलकित सम्राट ने निर्देशिका स्नेहा तौरानी द्वारा निर्देशित और रमेश तौरानी की टिप्स फिल्म्स के बैनर तले बन रही अपनी आगामी फिल्म की शूटिंग पूरी कर ली है। हालांकि फिल्म की आधिकारिक घोषणा का अभी इंतजार है, लेकिन सूत्रों के अनुसार फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है और अब केवल एक गाने की शूटिंग बाकी है।

फिलहाल अपने प्रोडक्शन के अंतिम चरण में पहुंच चुका पुलकित सम्राट का यह प्रोजेक्ट दर्शकों के एक कदम और करीब आ गया है। वैसे पिछले साल जब पुलकित का नाम इस प्रोजेक्ट से जुड़ा था, तब से ही फिल्म को लेकर उत्सुकता बढ़ गई थी, लेकिन इस खबर के साथ ही दर्शकों की उत्सुकता अब चरम पर पहुंच चुकी है। दिलचस्प बात यह है कि बॉलीवुड के सबसे सफल प्रोडक्शन हाउसेज में से एक टिप्स फिल्म्स के साथ एक उभरती हुई निर्देशिका और अपने करियर के मजबूत दौर से गुजर रहे अभिनेता का यह सहयोग इंडस्ट्री में पहले ही चर्चा का विषय बन चुका है।

हालांकि पुलकित की इस फिल्म की शूटिंग पूरी होने की खबर भी ऐसे समय में आई है, जब पुलकित को उनकी हालिया रिलीज 'ग्लोरी' में दमदार प्रदर्शन के लिए काफी सराहना मिल रही है। गौरतलब है कि इस प्रोजेक्ट में एक बिल्कुल अलग अंदाज में नजर आए पुलकित को उनके फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन और अभिनय के लिए दर्शकों ने खूब पसंद किया है। सिर्फ यही नहीं इस किरदार ने एक कलाकार के रूप में पुलकित की न सिर्फ एक नई छवि पेश की है, बल्कि चुनौतीपूर्ण व विविध भूमिकाएं निभाने की उनकी प्रतिष्ठा को भी और मजबूत किया है। सालों से अलग-अलग शैलियों में प्रयोग करते आए पुलकित सम्राट ने कमर्शियल एंटरटेनर्स के साथ-साथ परफॉर्मेंस आधारित किरदारों के बीच संतुलन बनाए रखा है। यही वजह है कि 'ग्लोरी' से मिली इस नई रफ्तार के बाद अब दर्शकों के बीच टिप्स फिल्म्स के साथ उनकी इस नई फिल्म को लेकर उत्सुकता और बढ़ गई है। फिलहाल शूटिंग के बाद अंतिम चरण में पहुंच चुकी इस फिल्म में पुलकित सम्राट को बतौर मुख्य अभिनेता एक और दिलचस्प किरदार निभाते देखना वाकई आँखों के लिए किसी ट्रीट से कम नहीं होगा। फिलहाल मेकर्स की ओर से आने वाले महीनों में फिल्म की आधिकारिक घोषणा किए जाने की संभावना है।

क्या गौतम तिन्ननुरी की फिल्म में नजर आएंगी रश्मिका मंदाना?

कर्नाटक संगीत की महान गायिका एमएस सुब्बुलक्ष्मी की जिंदगी पर एक बायोपिक फिल्म बनने जा रही है। इसे लेकर सोशल मीडिया पर काफी चर्चा है। इस फिल्म में रश्मिका मंदाना एमएस सुब्बुलक्ष्मी का किरदार निभा सकती हैं।

मुख्य अभिनेत्री को लेकर सस्पेंस

फिल्म में मुख्य भूमिका कौन निभाएगा, इसे लेकर अभी अलग-अलग जानकारी आ रही हैं। रश्मिका मंदाना को एमएस सुब्बुलक्ष्मी की बायोपिक के लिए चुना गया है। बताया जा रहा है कि हाल ही में इसके लिए उनके घर पर एक लुक टेस्ट भी हुआ है। हालांकि, कुछ समय पहले यह जानकारी आई थी कि रश्मिका या साई पल्लवी की जगह रुक्मिणी वसंत को इस रोल के लिए साइन किया गया है। लेकिन सबसे पहले चर्चा थी कि साई पल्लवी यह किरदार निभाएंगी और उन्होंने इसके लिए कर्नाटक संगीत सीखना भी शुरू कर दिया है। बहरहाल, फिल्म मेकर्स की तरफ से अभी तक किसी भी नाम पर आधिकारिक पुष्टि नहीं दी है।

बायोपिक का निर्देशन

एमएस सुब्बुलक्ष्मी की बायोपिक पर बन रही इस फिल्म का निर्देशन गौतम तिन्ननुरी करेंगे। गौतम तिन्ननुरी को सुपरहिट फिल्म 'जर्सी' बनाने के लिए जाना जाता है। गौतम काफी समय से इस कहानी पर रिसर्च कर रहे हैं।

'कॉकटेल 2' में नजर आएंगी रश्मिका

रश्मिका मंदाना इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'कॉकटेल 2' को लेकर भी चर्चा में हैं। हाल ही में इस फिल्म का ट्रेलर रिलीज हुआ है, जिसे दर्शकों का भरपूर प्यार मिला। इसके लिए रश्मिका ने सोशल मीडिया पर अपने फैंस का शुक्रिया अदा किया है। फिल्म 'कॉकटेल 2', 19 जून 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। होमी अदजानिया द्वारा निर्देशित इस फिल्म में शाहिद कपूर, कृति सेनन और रश्मिका मंदाना मुख्य भूमिकाओं में हैं ।

शोभिता धुलिपाला ने आलोचकों को दिया करारा जवाब

नागा चैतन्य के साथ रिश्ते और शादी को लेकर लंबे समय से सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग का सामना कर रहीं शोभिता धुलिपाला ने आखिरकार आलोचकों को करारा जवाब दिया है। हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि 'अब मुझे लोगों की बातों से फर्क नहीं पड़ता। मैं अपनी जिंदगी के बेहद खूबसूरत दौर में हूं।' बता दें कि शोभिता और नागा चैतन्य के रिश्ते की चर्चा साल 2022 में शुरू हुई थी। इसके बाद अगस्त 2024 में दोनों ने सगाई की और उसी साल दिसंबर में शादी कर ली। हालांकि, इस रिश्ते को लेकर शोभिता को लगातार सोशल मीडिया पर आलोचनाओं का सामना करना पड़ा। शोभिता ने आगे कहा कि 'लोगों की दिलचस्पी और चर्चाओं को मैं उत्सुकता के तौर पर देखती हूं। मैं बस अपनी जिंदगी जी रही थी और मुझे समझ नहीं आता कि लोग मुझसे कैसी प्रतिक्रिया की उम्मीद कर रहे हैं। समय के साथ मुझे अपनी पहचान और मानसिक मजबूती का बेहतर एहसास हो गया है।'

अपनी अच्छे एक्टर वाली छवि को बदलना चाहते हैं ऋतिक रोशन

बॉलीवुड स्टार ऋतिक रोशन अब अपनी अच्छे एक्टर वाली छवि को बदलना चाहते हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर इशारा किया है कि वह अब सीधे-साधे और हमेशा सही रहने वाले किरदारों से हटकर कुछ अलग और गंभीर यानी ग्रे शेड की भूमिकाएं करना चाहते हैं। ऋतिक ने माना कि डायरेक्टर अक्सर उन्हें सिर्फ पॉजिटिव रोल ही ऑफर करते हैं, जिससे वे थोड़े निराश हैं।

इंस्टाग्राम पर शेयर की दिल की बात

ऋतिक ने पेरिस की एक खूबसूरत सड़क से अपनी एक सेल्फी शेयर की, जिसके बैकग्राउंड में एफिल टावर दिख रहा है। इस तस्वीर के साथ उन्होंने लिखा, 'मुझसे अभी पूछा गया कि मैं किस तरह का रोल करना चाहता हूं। जब मुझे इसका जवाब मिला, तो मैं खुद भी हैरान रह गया। क्या आपको फिल्म 'लक बाय चांस' का जफ्फर याद है? मुझे वैसा ही रोल चाहिए।' ऋतिक ने आगे लिखा, 'अगर मुझे ऐसा कोई मौका मिला, तो मैं उसे तुरंत अपना लूंगा। लेकिन दुख की बात है कि डायरेक्टर मुझे सिर्फ अच्छे इंसान के रोल में ही देखना चाहते हैं।'

क्या था 'जफ्फर' का किरदार?

साल 2009 में आई निर्देशक जोया अख्तर की फिल्म 'लक बाय चांस' में ऋतिक ने 'जफ्फर' नाम के एक मतलबी और घमंडी सुपरस्टार का छोटा सा रोल निभाया था। भले ही वह रोल छोटा था, लेकिन लोगों को बहुत पसंद आया था। ऋतिक की इस पोस्ट को देखकर जोया अख्तर ने तुरंत कमेंट में लिखा, 'चलो, कॉफी पर मिलते हैं।'

ऋतिक रोशन के आने वाले प्रोजेक्ट्स

ऋतिक को आखिरी बार फिल्म 'वॉर 2' में देखा गया था, जिसे बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद के मुताबिक सफलता नहीं मिली। आने वाले समय में वे इन बड़े प्रोजेक्ट्स में नजर आएंगे। 'कृष 4' सुपरहिट सुपरहीरो फिल्म से ऋतिक पहली बार निर्देशन के क्षेत्र में कदम रख रहे हैं। इस फिल्म को यश राज फिल्म्स और राकेश रोशन मिलकर बना रहे हैं। इसके अलावा ऋतिक अपनी वेब सीरीज लेकर आ रहे हैं, जिसका नाम 'स्टॉर्म' है। 'स्टॉर्म' से ऋतिक अब ओटीटी की दुनिया में भी कदम रख रहे हैं। 'स्टॉर्म' मुंबई पर आधारित एक थ्रिलर सीरीज है।

'कांटे 2' को लेकर गंभीरता से काम कर रहे हैं संजय गुप्ता

निर्देशक संजय गुप्ता ने पुष्टि की है कि वह अपनी चर्चित फिल्म 'कांटे' के सीक्वल पर काम कर रहे हैं। हाल ही में एक पॉडकास्ट में बातचीत के दौरान उन्होंने बताया कि 'कांटे 2' की कहानी का शुरुआती खाका तैयार कर लिया गया है और अब वह इसकी स्क्रिप्ट लिखने की प्रक्रिया शुरू करेंगे। संजय गुप्ता और संजय दत्त लंबे समय से साथ काम करते रहे हैं। दोनों ने 'आतिश', 'जंग', 'खौफ', 'कांटे', 'मुसाफिर', 'जिंदा' और 'दस कहानियां' जैसी फिल्मों में साथ काम किया है। संजय का मानना है कि संजय दत्त में आज भी किसी फिल्म को अपने दम पर सफल बनाने की क्षमता है। निर्देशक ने यह भी खुलासा किया कि 'कांटे' लंबे समय तक कानूनी विवाद में फंसी रही, जिसके कारण सीक्वल पर काम आगे नहीं बढ़ पाया। अब यह मामला सुलझ चुका है, जिससे वह फिल्म के दूसरे पार्ट को लेकर गंभीरता से काम कर रहे हैं।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।